



सार्कसा

सुपर कमांडो ध्रुव



सुपर कमांडो ध्रुव

सर्कस

कथा एवं चित्रः
अनुपम सिन्हा
इंकिंगः
विनोद कुमार
सुलेख एवं रंगः
सुनील पाण्डेय
संपादकः
मनीष गुप्ता

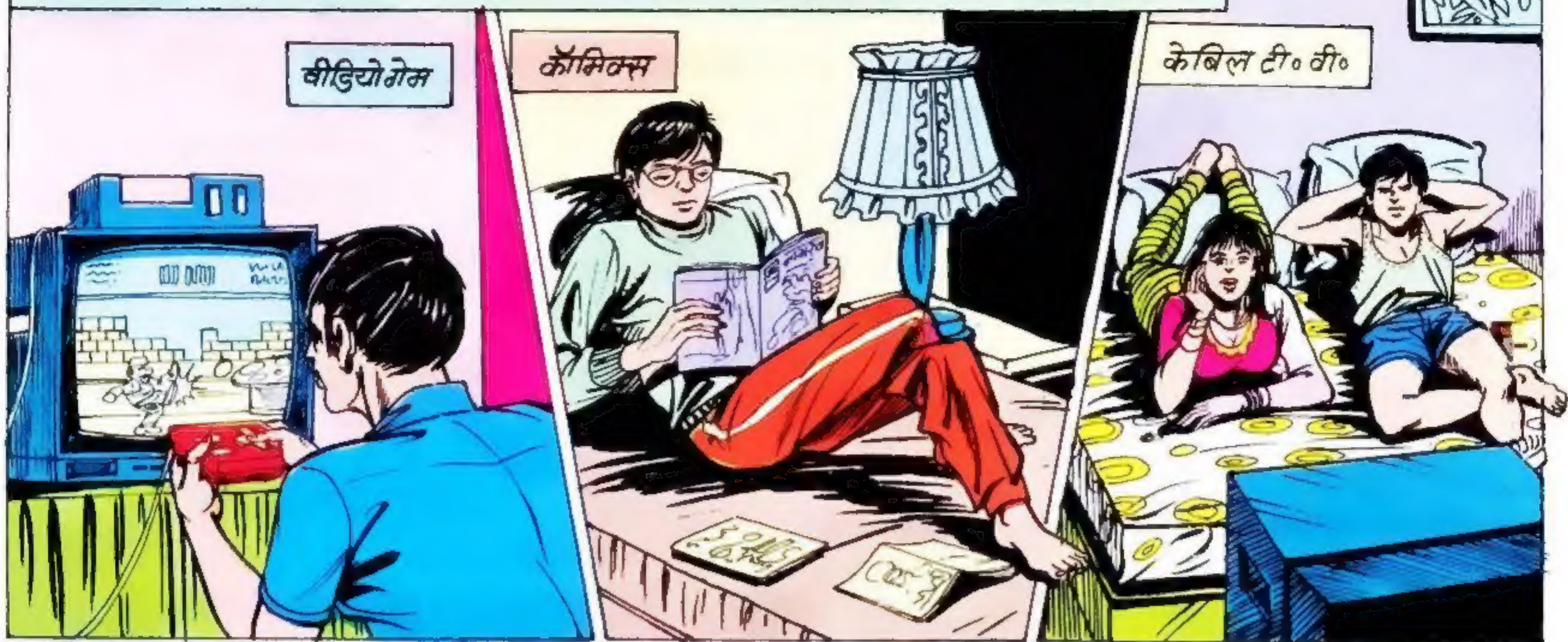
सर्कस- संसार से अलग एक दूसरा
संसार। इसी संसार में पैदा हुआ था...
सुपर कमांडो ध्रुव !

और इसी संसार में मरेगा, सुपर कमांडो ध्रुव -



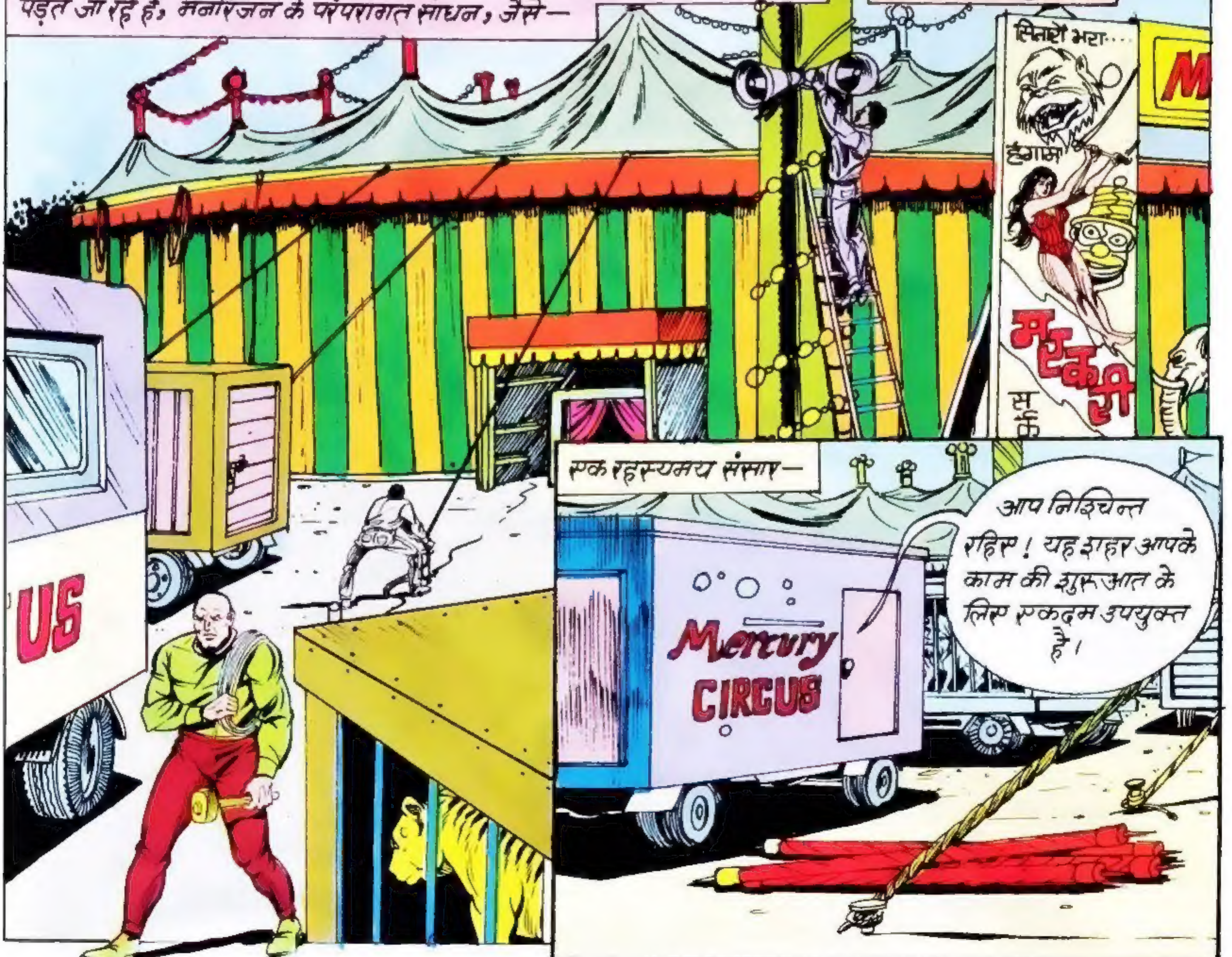
by अनुपम

बदलते समय के साथ-साथ, मनोरंजन के नए-नए साधन, हमारी जिन्दगी में आते जा रहे हैं—



और उन नए-नए सुविधाजनक, सुभावने और चमकदार साधनों के सामने कीड़े पड़ते जा रहे हैं, मनोरंजन के परंपरागत साधन, जैसे—

- सर्कस -





पिंजरा खुलते ही- एक तेज दहाड़ ने पूरे सर्कस के वातावरण को पहले तो गुंजा दिया—

दहाड़

और फिर स्तब्ध कर दिया—

दहाड़ की आवाज अंदर तक जा पहुंची थी—

यह कैसी आवाज थी, आयप्या?

तो रोको उसे, मूर्ख! मैंने मेयर पर अपना प्रभाव डालकर सर्कस को शहर के बीचो-बीच वाले मैदान पर लगावाया है।

यह क्या? बबर पिंजरे के बाहर कैसे आया? यह तो पागल डोर है।

हां! इसको तो डो तक के लिए नहीं निकाला जाता। भागो!

और वह इसलिए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारा डो देखने आएं। इसलिए नहीं कि एक पागल डोर, शहर में जाकर तबाही मचाए, और हमको यहां से तंबू उखाड़ना पड़े।

यह तो बबर के दहाड़ने की आवाज थी। और वह सिर्फ तभी दहाड़ता है, जब वह पिंजरे से बाहर निकलता है...

मुझे आभास हो रहा है कि बबर, सर्कस की बाकेंद्री के बाहर निकल चुका है। और मेरी शक्तियां उस बाकेंद्री के बाहर काम नहीं करतीं!

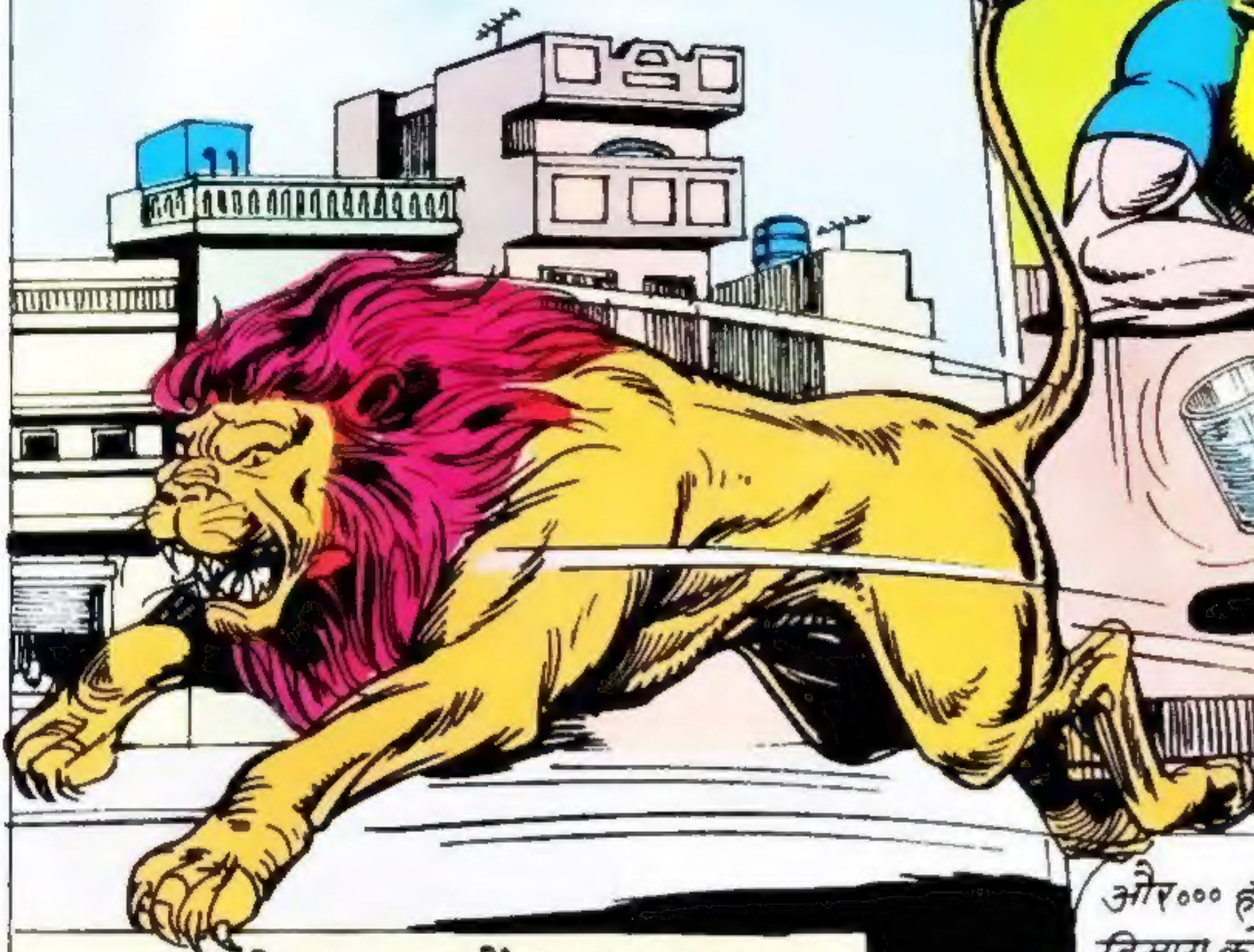
उसका दिमाग अभी भी मेरे कंट्रोल में है। लेकिन अब मैं उसको यहां से बैठा, बैठा, संचालित नहीं कर सकता!

पर बबर भी तो तुम्हारे कंट्रोल में था।

जाओ! रोको उसे!

लेकिन बबर तब तक सर्कस का मैदान पार करके बाहर निकल चुका था—

इसी दौरान—



एक पागल डोर, राजनगर में खुला घूम रहा था—



देखो, ध्रुव! यह है मेरे 'मेटल-मैग्निफायर' का कमाल!

यह एक आम आदमी की मानसिक तरंगों को भी इतना शक्तिशाली कर सकता है, कि वह एक पानी भरा गिलास, मानसिक तरंगों से उठा सके।

और... हां! इससे किसी के दिमाग को वश में भी किया जा सकता है।

किसी के भी?

और अगर इसका इस्तेमाल कोई ऐसा व्यक्ति करे, जिसके पास पहले से ही मानसिक शक्तियां हैं तो वह मानसिक तरंगों से पूरी बिल्डिंग उठा सकता है, नदी के पानी का रुख मोड़ सकता है... और पहाड़ तक में सुरंग बना सकता है।



इस बारे में मेरा प्रयोग अभी अधूरा है। और उसी के लिए मैंने तुमको बुलाया है।

मैं यह देखना चाहता हूं कि किसी बृद्ध इच्छा-शक्ति वाले व्यक्ति पर इसका क्या असर होता है!

और तुमसे ज्यादा बृद्ध इच्छा-शक्ति वाला व्यक्ति मेरी नजर में नहीं है।



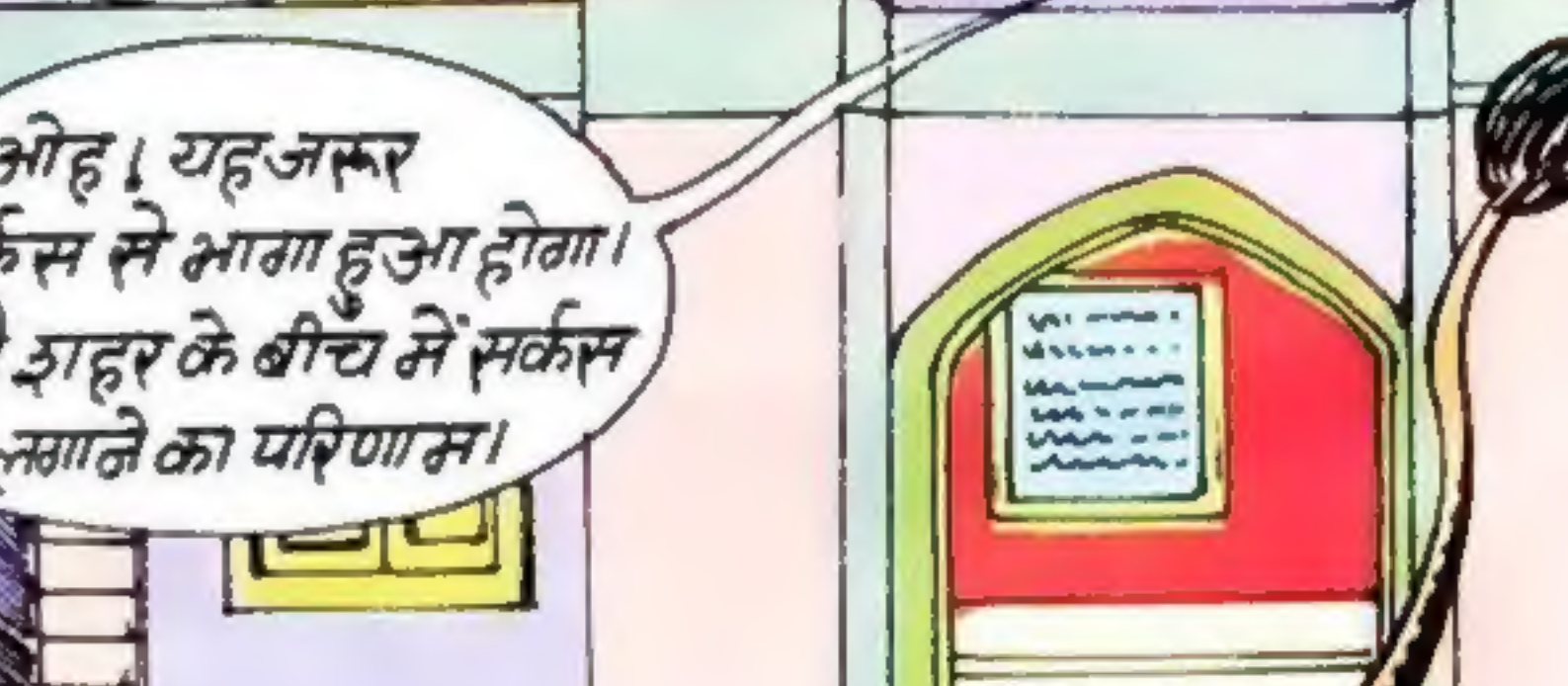
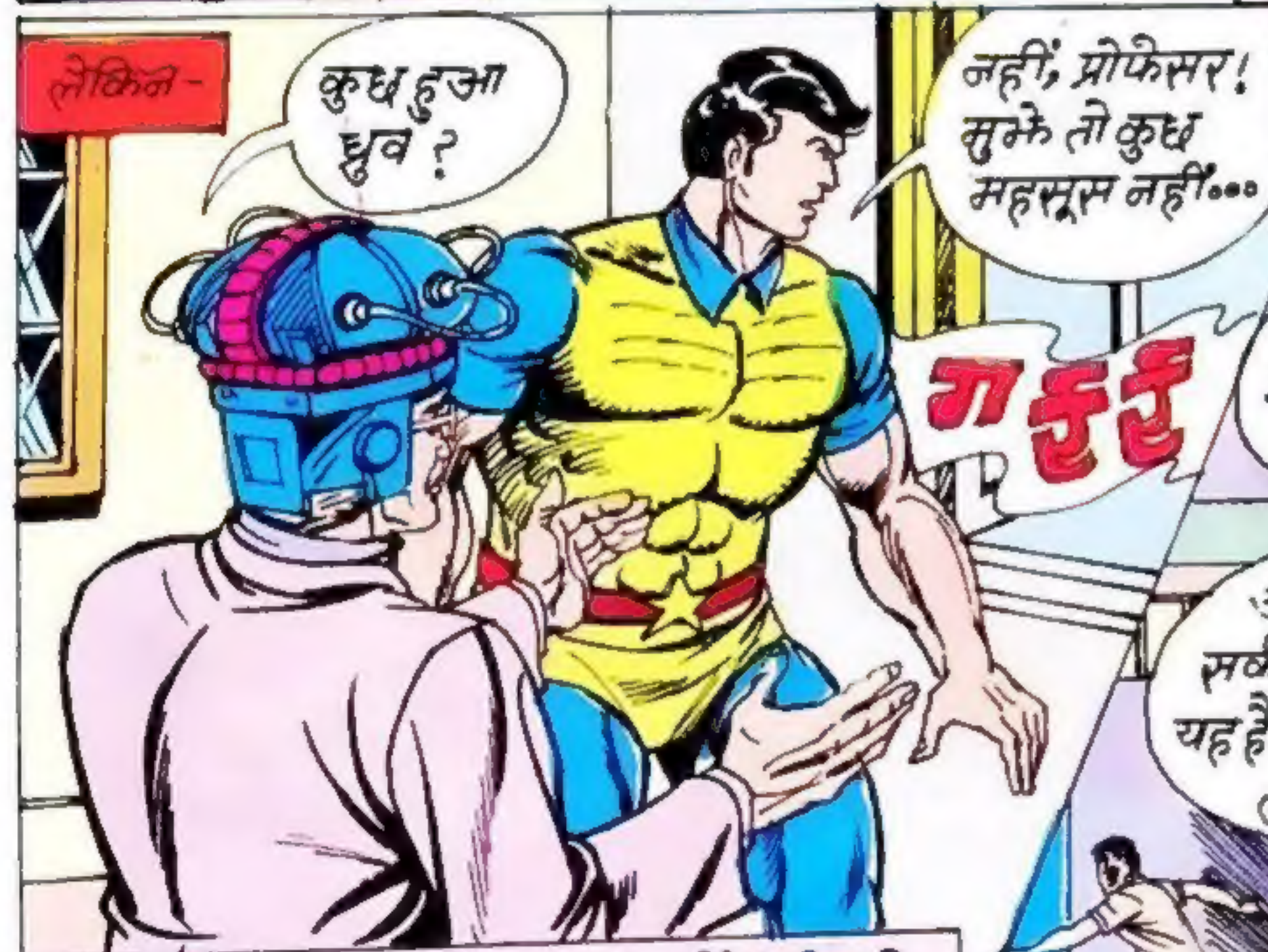
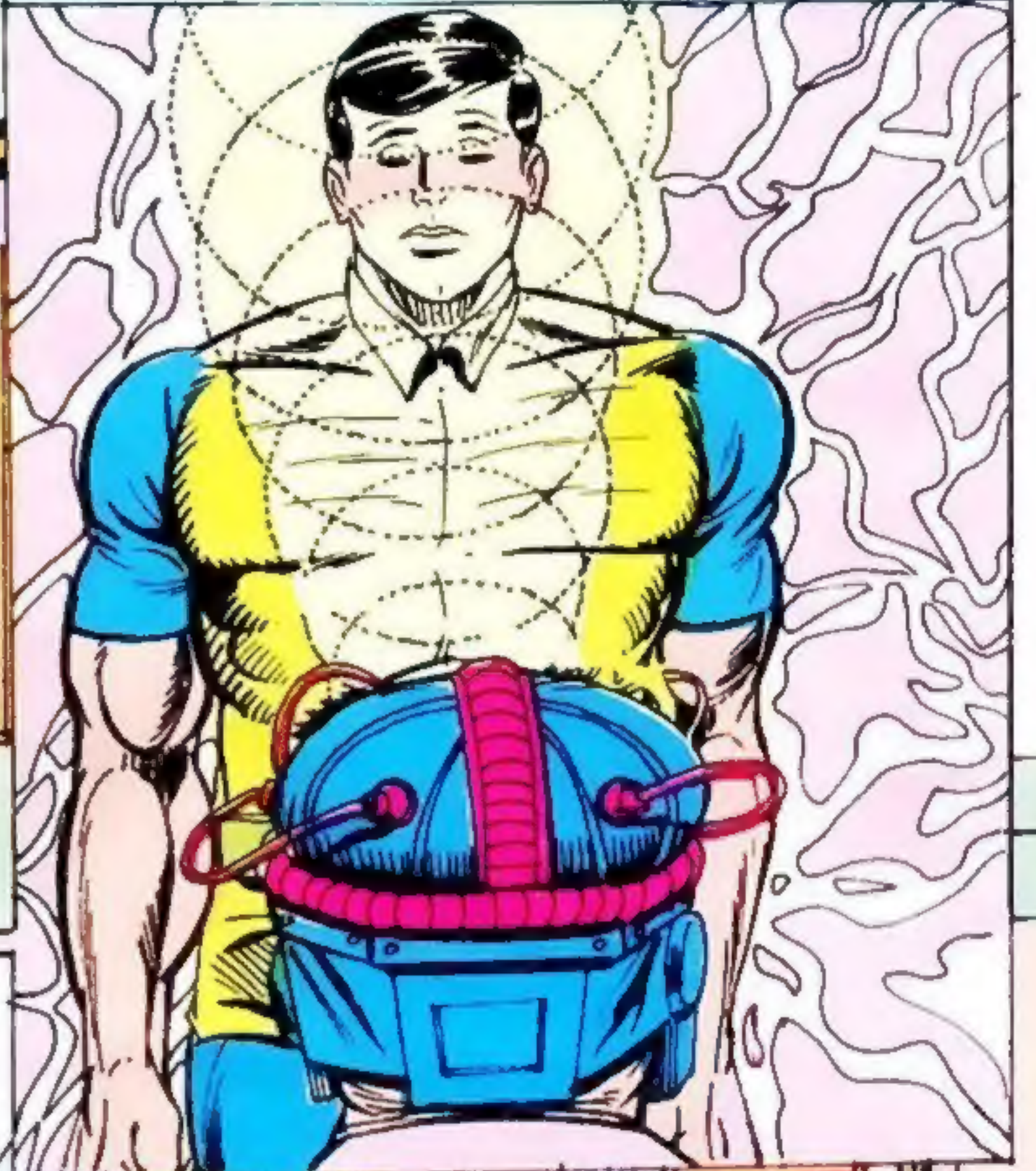
कमाल का आविष्कार है। और यह क्या-क्या कर सकता है?



अब मैं तुम्हारे मस्तिष्क को अपने कब्जे में लेने की कोशिश करूंगा, और तुम उसका विरोध करना ।

ठीक है, प्रोफेसर वर्मा ! मैं तैयार हूँ। आप प्रयोग शुरू कीजिए !

प्रोफेसर वर्मा की मानसिक तरंगों 'मेटल-मैग्निफायर' से होती हुई ध्रुव के मस्तिष्क को भेवने लगीं—



लेकिन—

कुछ हुआ ध्रुव ?

नहीं, प्रोफेसर ! मुझे तो कुछ महसूस नहीं...

गर्ज

अरे ! यह डोर कहाँ से आ गया ?

ओह ! यह जरूर सर्कस से भागा हुआ होगा ! यह है शहर के बीच में सर्कस लगाने का परिणाम !

एक गुराहट ने ध्रुव को, बात बीच में ही रोकने पर मजबूर कर दिया—

गर्ज



वह उन स्कूल के बच्चों पर
कूदने जा रहा है। प्रोफेसर, आप
अपने मानसिक यंत्र से इस शेर को
कंट्रोल करने की कोशिश कीजिए!

मतलब ?

मैं कोशिश कर रहा हूँ ध्रुव !
लेकिन कुछ हो नहीं रहा है। इस शेर के
मस्तिष्क पर पहले से ही कोई मानसिक
अवरोध लगा हुआ है।

मतलब इस शेर का
दिमाग पहले से ही किसी और
के कंट्रोल में है।

दोनों के शरीर हवा में ही एक-
दूसरे से टकराकर—

तब तो मैं ही
इसे रोकने की
कोशिश करता हूँ।

दहाड़

ध्वा
डुं डुं डुं

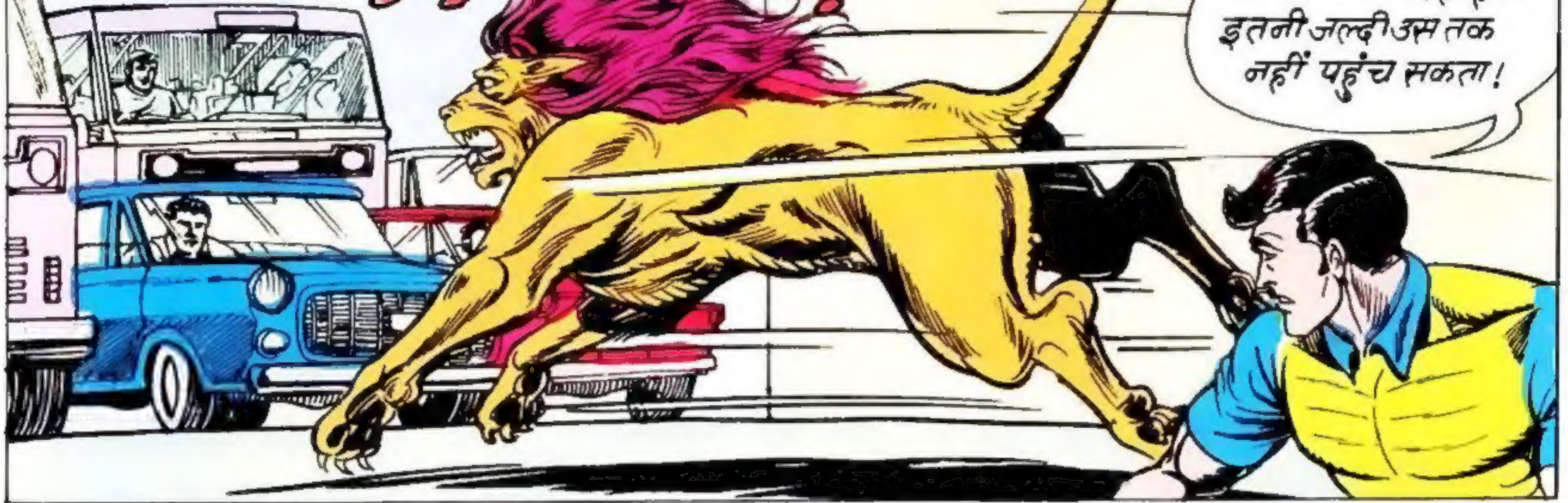
इधर शेर ने मासूम बच्चों पर धलांग लगाई,
और उधर ध्रुव ने खिड़की से शेर की तरफ—

दूर जा गिरे—

अगले ही पल- सबके चेहरों पर दहशत फैल गई-

साक्षात् मौत उनके सामने से दौड़ती हुई, करीब आ रही थी-

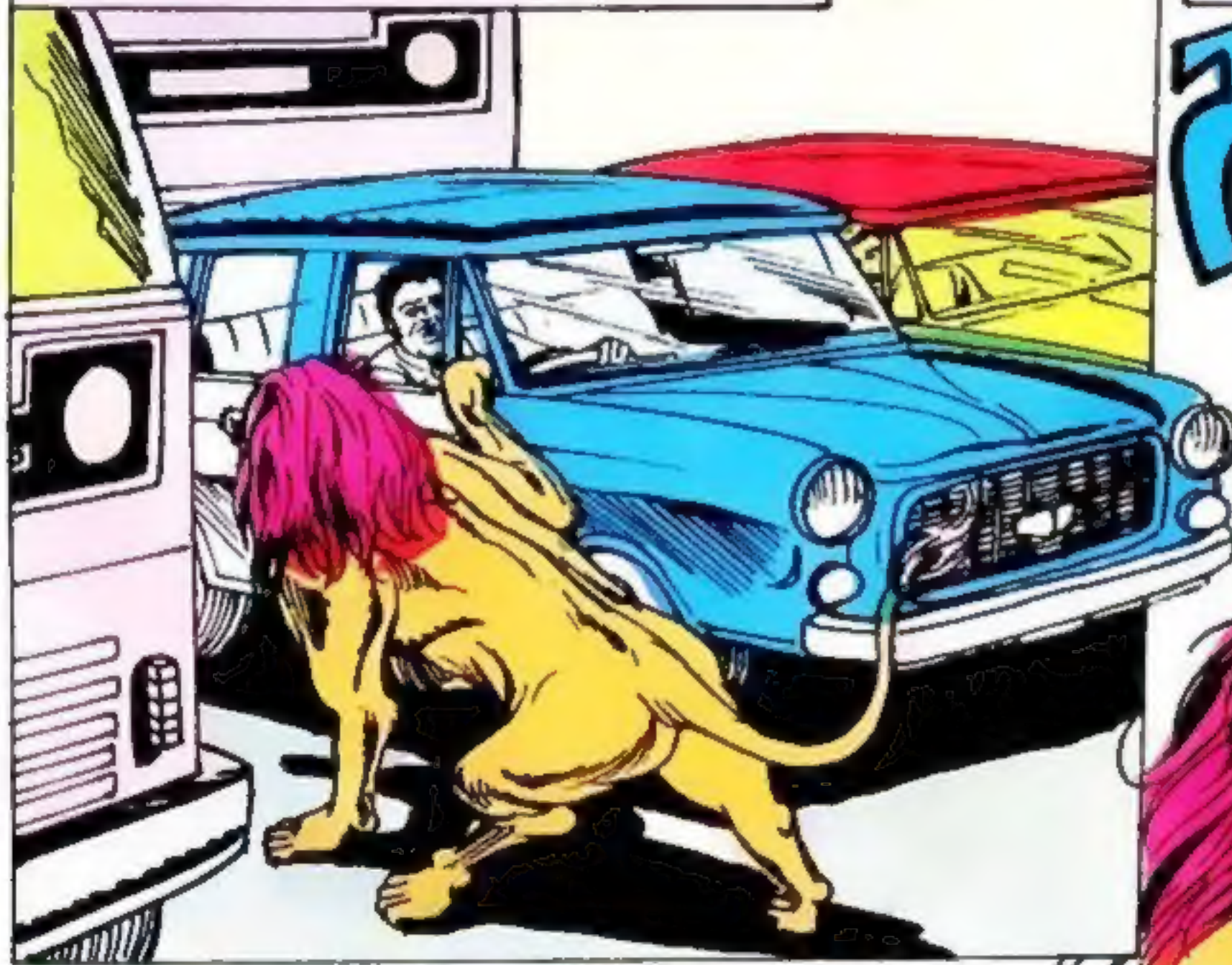
दहशत डड़ डड़ डड़ डड़



कार के डीडी बंद कर पाने तक का समय नहीं मिला, दहशत के कंपते उन हाथों को-

अगर... अगर कोई बीच में आकर, उसकी जिन्दगी की रेखा को और लंबा न कर देता-

ताड़



मौत के जबड़े, उस बदनसीब की खोपड़ी पर कस गए-

एक पल बाद ही, भय से फटी वे आंखें हमेशा के लिए फटी रह जातीं-



अरे! यह लड़की कौन है? राजब की साहसी है। जिस डोर को देखकर ही लोगों के हाथ-पैर सुन्न पड़ जाते हैं, उससे यह मुकाबला कर रही है।

अगले ही पल- ध्रुव, डोर को अपनी गिरफ्त में ले चुका था-

डोर तड़पकर सीधा हुआ, तो अब ध्रुव उसकी पीठ पर सवार था-

कुछ भी इसने मुझे वह मौका दिया है, हो! जिसकी मुझे तलाश थी।

बेल्ट खोलकर उसके हाथ में आ चुकी थी-

और उस बेल्ट का फंदा डोर की गर्दन पर कस चुका था-

सर्कस वाले भी घटनास्थल पर आ चुके थे-

चिंश ११११

अरे! यह लड़का कौन है? बबर की सवारी कर रहा है?

ओफ़! अब हम बबर को जाल में पकड़ भी नहीं सकते। जाल डालेंगे तो यह लड़का भी बबर के साथ ही साथ कैद हो जाएगा।



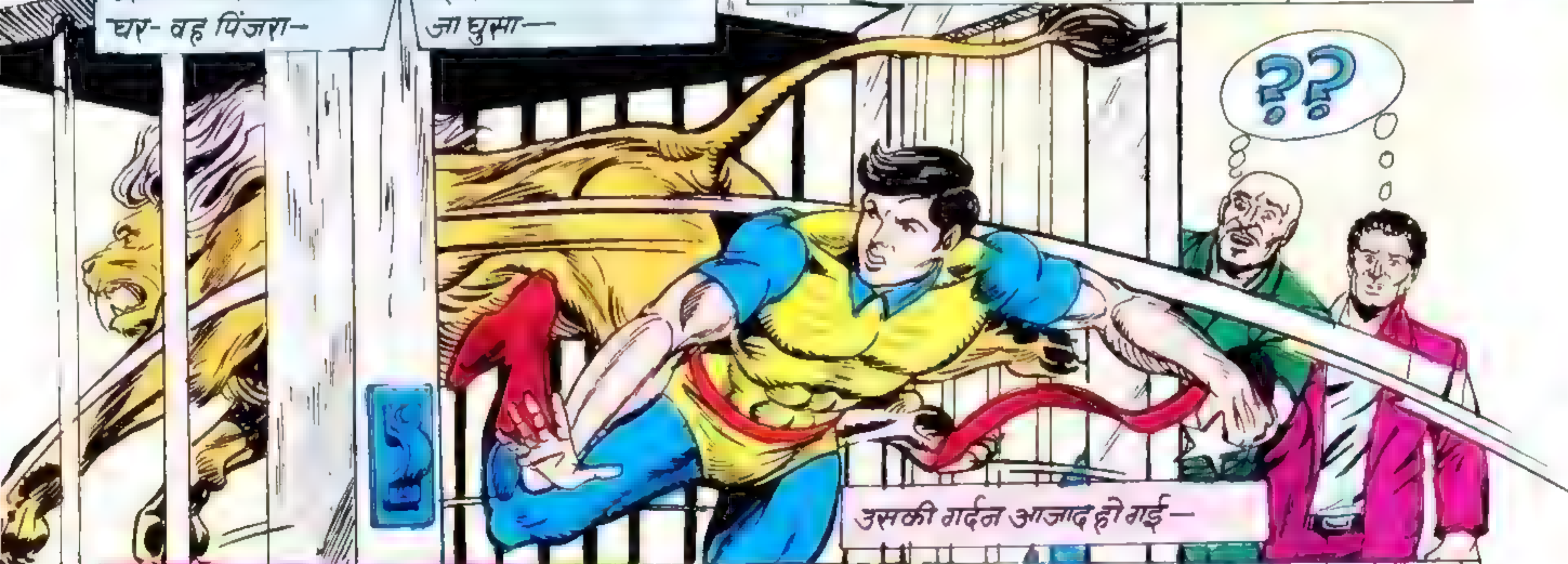
उसको नजर आया अपना घर- वह पिंजरा-

वह लपककर पिंजरे में जा घुसा-

बबर का दम घुट रहा था। अब उसके पागल दिमाग में भयने अपना कबजा जमाना शुरू कर दिया था-



वह भागकर छिपने की जगह ढूँढ़ रहा था-



उसकी गर्दन आजाद हो गई-

और पिंजरे का दरवाजा बंद हो गया-

कमाल हो गया! बबर तुमसे डर गया!

यह तुम्हारे सर्कस इस पागल डोर को खुला का डोर है? क्यों छोड़ा था?

आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ कि बबर को बिना जाल डाले पिंजरे में वापस लाया गया हो!



ध्रुव की आंखों में छलकता क्रोध देरवकर -





अरे ! डोर के हटते ही ट्रैफिक चालू हो गया है ! और उस लड़की का नामोनिशान तक नहीं है ! पर वह आखिर थी कौन ?





‘सेसे वेस्ट ऑफ लक’ नहीं। तुमको मेरे साथ ‘सरकरी सर्कस’ चलना पड़ेगा। सर्कस पर एक धुआंधार आर्टिकल लिखने के लिए मुझे एक जानकार आदमी की जरूरत भी है।

और सर्कस के बारे में तुमसे ज्यादा जानकार आदमी मुझे और कहाँ मिलेगा? आखिरकार तुम सर्कस में ही पैदा होकर पले बढ़े हो! *



नताशा की जिद ने ध्रुव को मजबूर कर दिया—

एक बात तो बताओ, ध्रुव! तुम यहां पर डोर से लड़ने के लिए कैसे पहुंच गए?

बस! संयोग समझ लो नताशा!

प्रोफेसर वर्मा ने मुझे किसी को भी उस मानसिक यंत्र के बारे में बताने की सख्त मनाही की है।

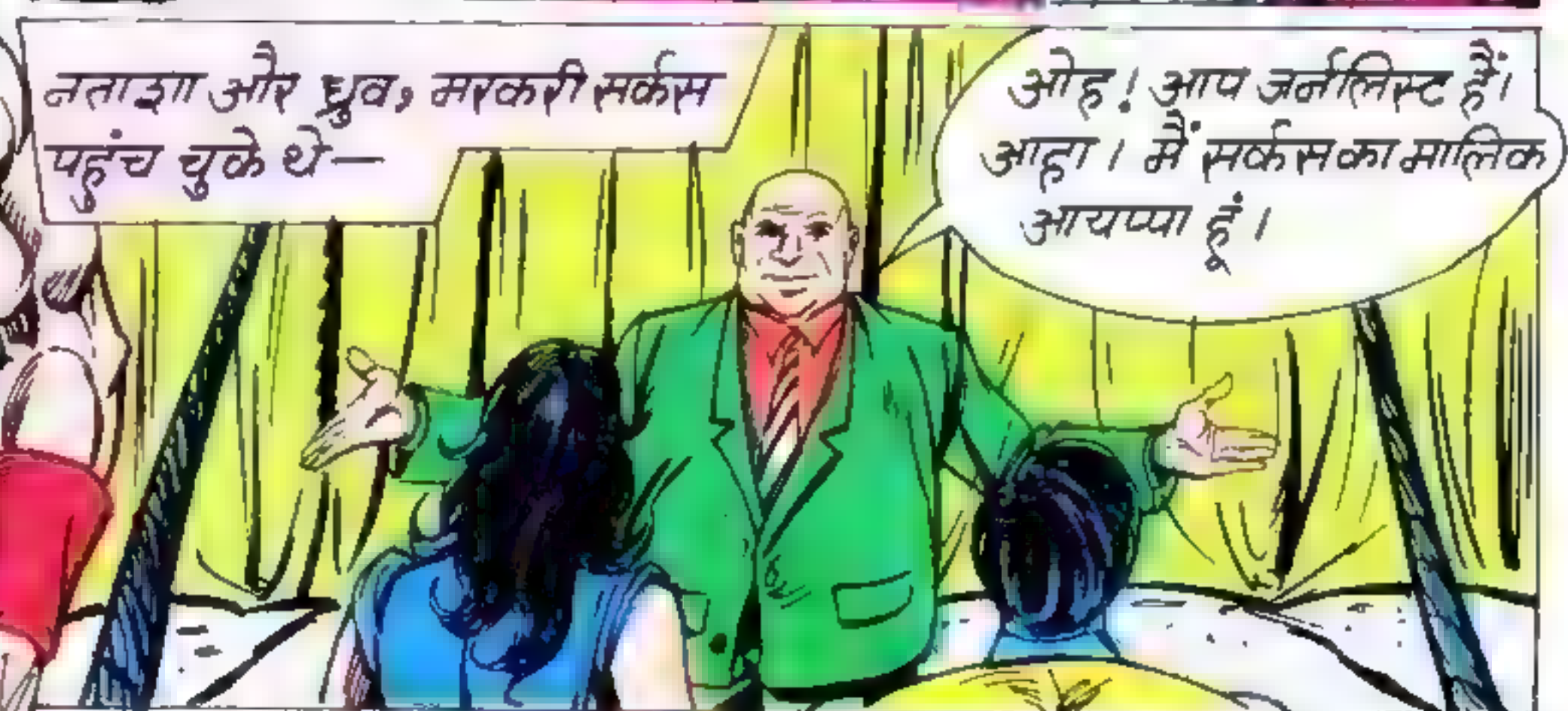


उधर सर्कस में—

अपका प्लान फेल हो गया, सर! इससे पहले कि बबर किसी को नुकसान पहुंचा पाता, ध्रुव वहां पर पहुंच गया!

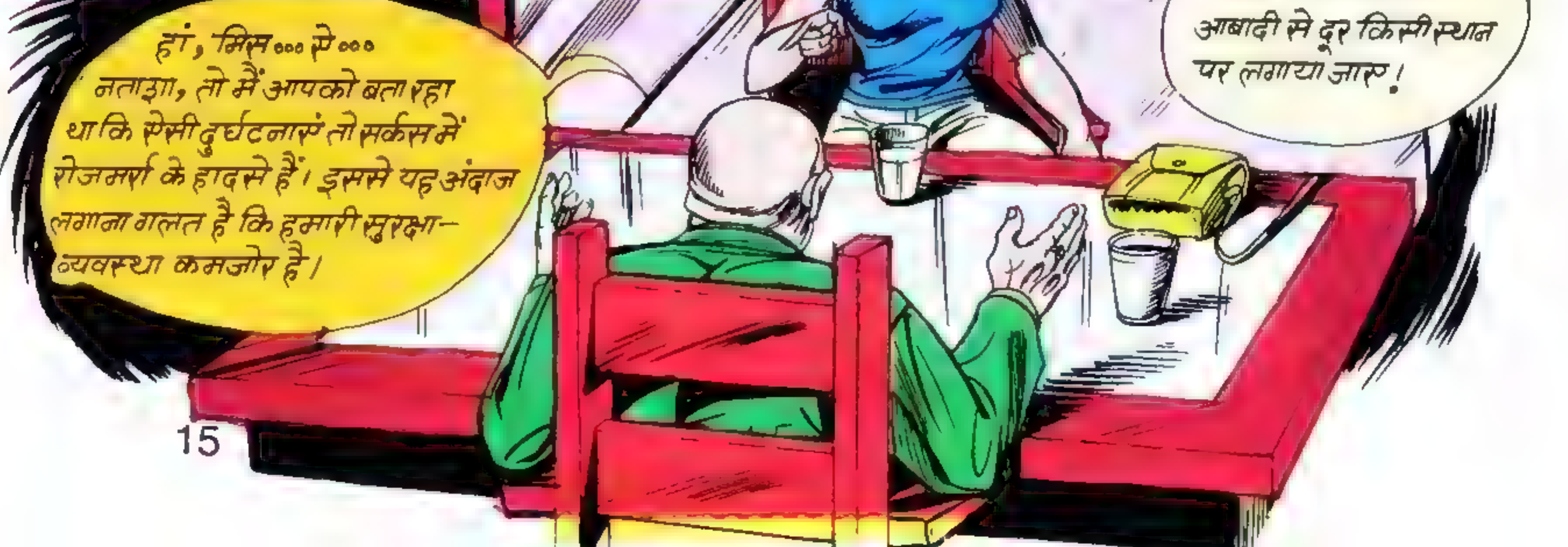


और अगर ध्रुव ने मुझे रोकने की कोशिश की, तो वह भी गोदों के साथ धुन की तरह पिस जाएगा!



नताशा और ध्रुव, सरकरी सर्कस पहुंच चुके थे—

ओह! आप जर्नलिस्ट हैं। आहा! मैं सर्कस का मालिक आया हूँ।



अगले ही पल- नताशा को अपने दिमाग में गर्म चाकू से धंसते महसूस हुए-

उसका अंग-अंग कांप उठा-

और इसी दौरान-

यही मौका है। इलेक्ट्रिकलूम में इस वक़्त कोई नहीं है। अब मैं ट्रान्सफार्मर पर लोड बढ़ाता हूँ। उसके बाद तू तमाशा देखना ठिगू!



हाथों की पूरी ताकत ने 'कनेक्टर' को खींच दिया-

और 'ओवरलोड' होते ही, ट्रान्सफार्मर एक धमाके के साथ फट पड़ा-



ओह!

ओह! शायद सर्कस में कहीं शार्ट-सर्किट होने से ट्रान्सफार्मर फट गया है।



और उससे उस मकान में आग लग गई है।

अरे, बचाओ रे! आग लग गई!

ओह! लगता है, नीचे से छत तक जाने वाला सीढ़ियों का पूरा हिस्सा आग में घिर गया है। वह लड़का न ऊपर जा सकता है, न नीचे आ सकता है!

खालों में डूबे धुव को टनटनाहट की एक आवाज ने जगा दिया—

फायर ब्रिगेड की गाड़ी घटनास्थल पर आ गई थी—



इस इमारत में अंदर पहुंचने का और कोई रास्ता नजर भी नहीं आ रहा है!

जल्दी करिए! सीढ़ी लगाइए! ...तब तक आप मैं ऊपर जाकर उस बच्चे को बचाने की कोशिश करता हूँ।...

आग बुझाने का इंतजाम कीजिए!

ओफ! अब क्या होगा?

घबराओ मत! हम लोग आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं!



तब तक तो आग उस बच्चे तक पहुंच जाएगी!... और वह डर के मारे नीचे तक नहीं कूद रहा है!

मैं गाड़ी की छत पर चढ़कर, छलांग लगाकर, उस खिड़की तक पहुंचने की कोशिश कर सकता हूँ। पर मैं उतनी ऊपर छलांग नहीं लगा सकता!...

...अगर छलांग लगाते वक्त मुझे जरा सा और धक्का मिल जाए, तो मैं उस खिड़की तक... एक मिनट...

...मिल गया रास्ता।

मेरी बात ध्यान से सुनो...

यह सीढ़ी वाली गाड़ी नहीं है, धुव! हम लोगों को जल्दी में जो गाड़ी मिली, वही लेकर चले आए।

अगले कुछ पलों बाद- ध्रुव, फायर बिगड़े की गाड़ी की छत पर आ खड़ा हुआ था—



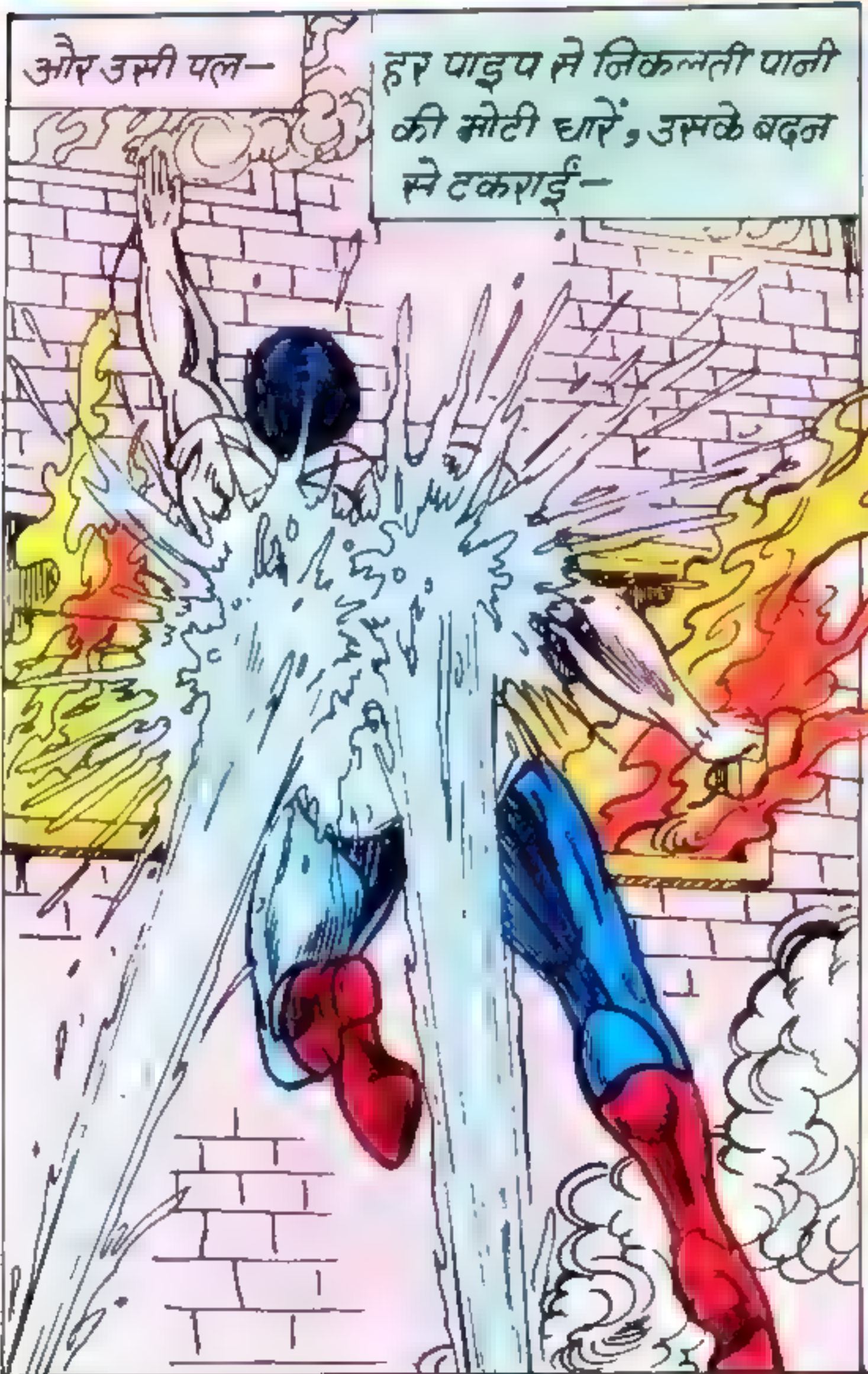
ध्री०००

ध्रुव का बदन, एक शक्तिशाली धुलांग से, हवा में लहरा गया—



और उसी पल—

हर पाइप से निकलती पानी की मोटी धारे, उसके बदन से टकराई—



००० ध्रुव को खिड़की तक उछाल दिया—

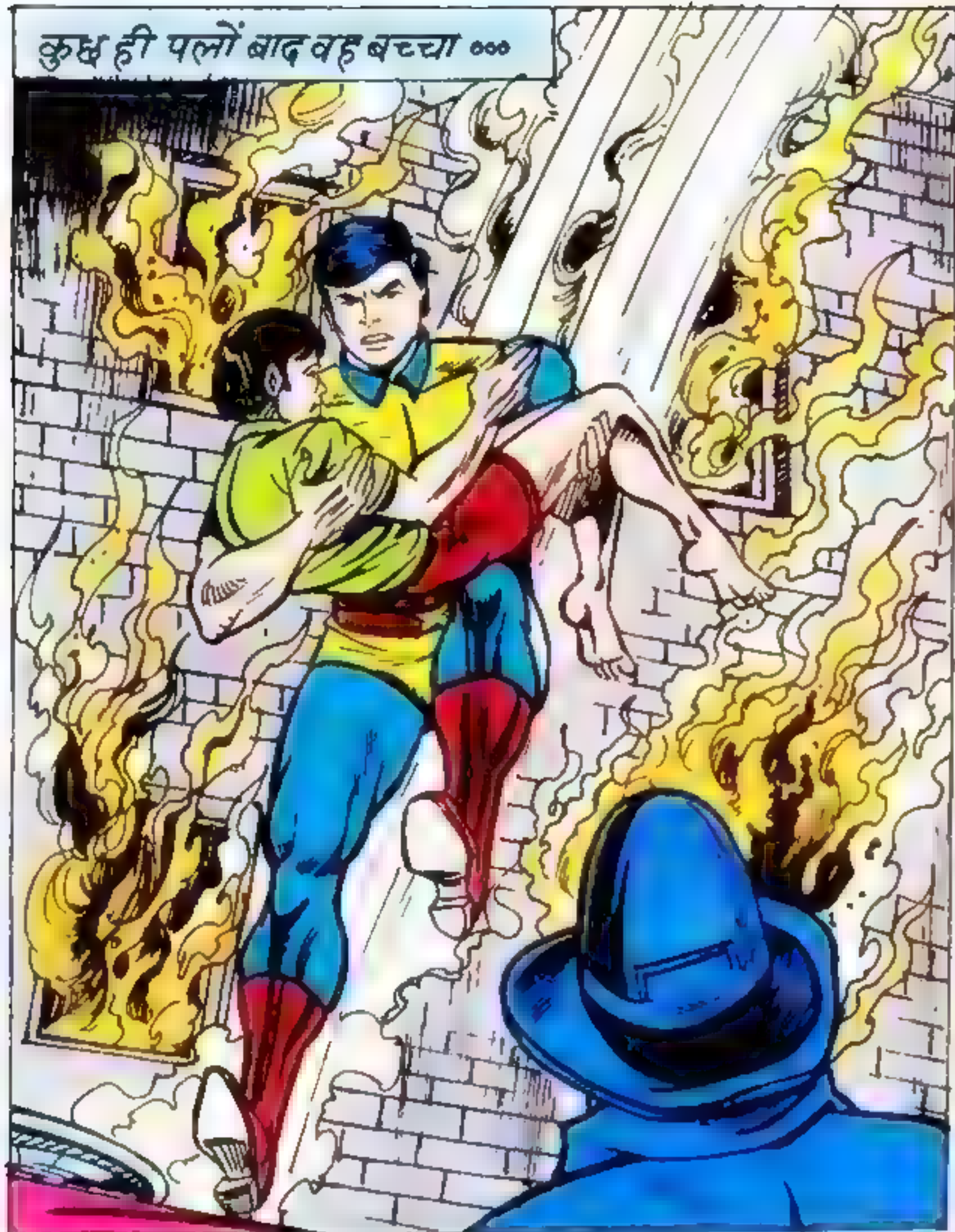


मम्मी००० ऊं ऊं ऊंवा००० खौं खौं मम्मी के पास जाना००० खौं०००

डरो नहीं, बेटे! मैं तुमको मम्मी के पास ले चलूंगा। आओ! मेरे साथ आओ!



और पानी की तेज और सम्मिलित धारों के प्रेशर ने०००



और वापस सर्कस में—

नहीं नताशा ! ऐसे हादसे शायद कई सालों में एक बार होते हैं। तुम...

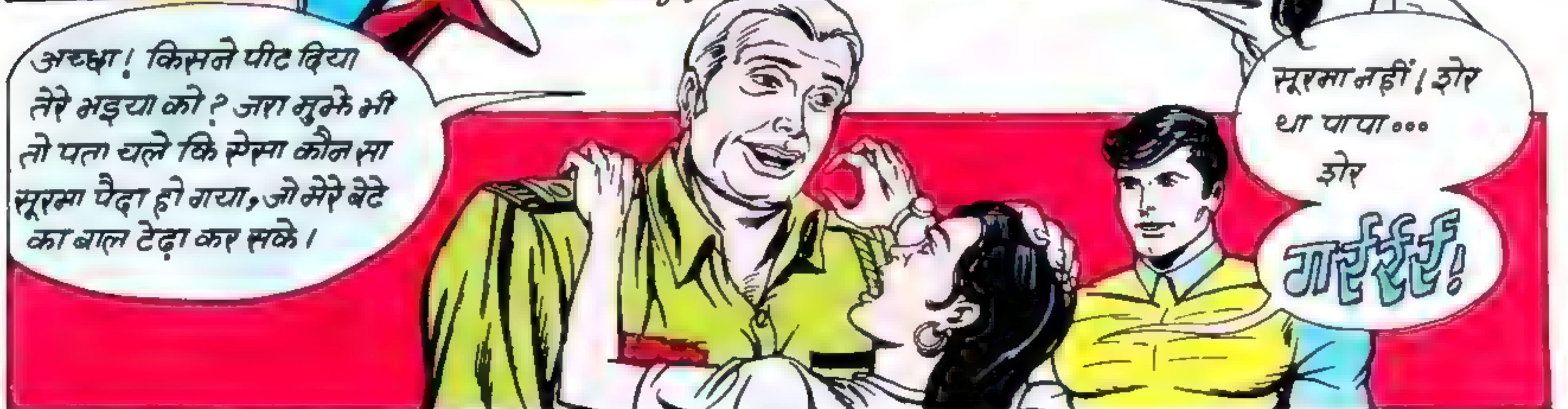


नहीं, नताशा ! कहीं कुछ गड़बड़ जरूर है। इस शहर में सर्कस के लगते ही लगातार दो हादसे हो जाना, यह बताता है कि इस सर्कस की कार्य प्रणाली में कुछ गड़बड़ है।

ये मामूली हादसे हैं ध्रुव ! सर्कस में होते रहते हैं।









शोर! क्या हुआ था, ध्रुव?

ध्रुव, आई. जी. राजन को प्रोफेसर वर्मा और उनके मानसिक यंत्र की बात छोड़कर, सारी घटना सुनाता चला गया—



लेकिन तुम तो शोरों से बात कर सकते हो!

वह शोर मेरी बात नहीं समझ रहा था। मुझे आभास हुआ कि उसका दिमाग किसी के कब्जे में था!

आश्चर्य है! और वह सर्कस का ट्रान्सफार्मर कैसे उड़ गया?

वह मुझे पता नहीं!



ओह! यानी सर्कस की सुरक्षा व्यवस्था में कुछ कमियां हैं।

मुझे एक बात और समझ में नहीं आई...

...और वह यह कि मेजर साहब ने इस मैदान पर सर्कस लगाने की अनुमति क्यों दी? यह मैदान तो लोगों के घूमने-खेलने के लिए है।



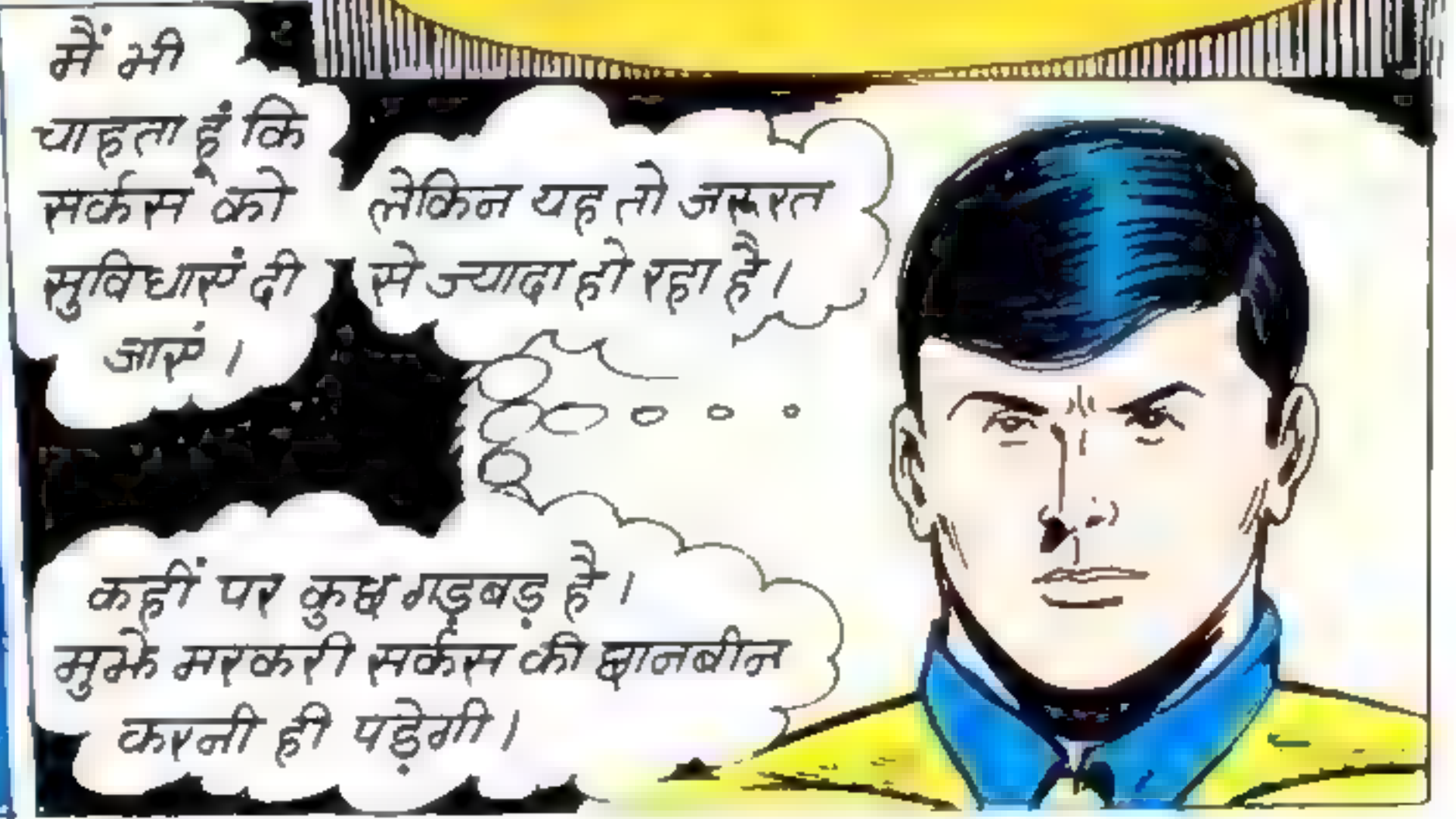
मैंने मेजर साहब से इस बारे में बात की थी। पर मुझे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला!

रवैर, अभी मैं रबुद सर्कस जाता हूँ... और वहां पर जाकर उनकी सुरक्षा व्यवस्था को अच्छी तरह चेक करूंगा।

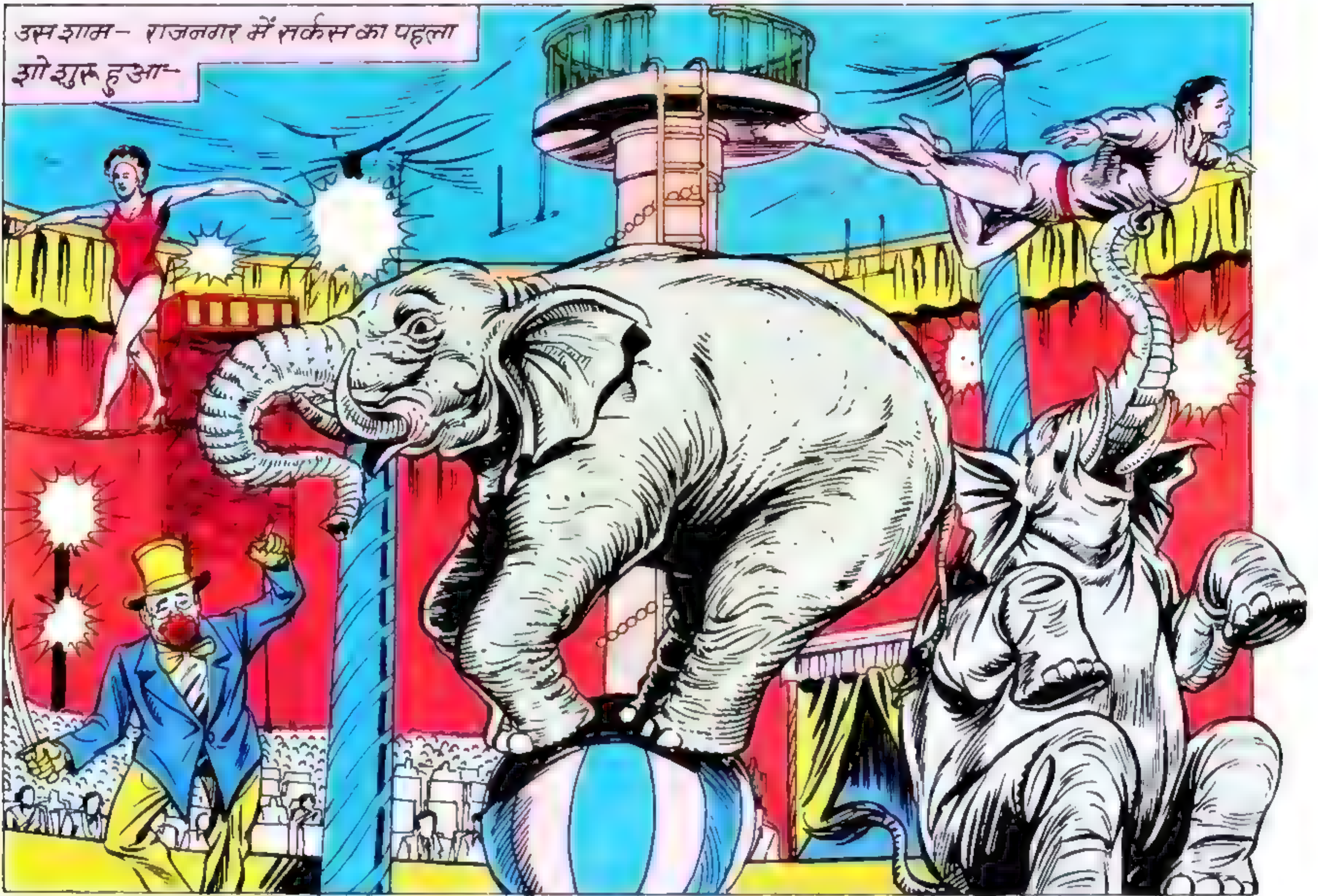


दोनों में से किसी का भी ध्यान इवेला पर नहीं था—

एक पागल शेर किसी दूसरे के मानसिक कंट्रोल में! ऐसा कभी सुना तो नहीं। लगाता है चंडिका को बीच मैदान में कूदना ही पड़ेगा।



उस शाम- राजनगर में सर्कस का पहला शो शुरू हुआ-



और साथ ही साथ शुरू हुआ एक नया हंगामा-



हैलो... हैलो... करीम!
मैं... आह... पीटर!

पीटर की क्या
हुआ? यह कराह
क्यों रहा है?

यह पूर्वी राजनगर
की गड़त पर गया था!

रेणु भी इसके
साथ थी। कुछ
गड़बड़ हो गई है।

पीटर! मैं कैप्टेन!
क्या हुआ? तुम कहां से
बोले रहे हो?

मैं लोधी चौक
पर हूँ। गुंडों
ने हमें घेर
लिया है...
... रेणु अभी
उनको रोके
हुए है।



लेकिन वह भी ज्यादा
देर तक इनको रोक नहीं...
आह...

... और फिर तेरे कैप्टेन
सुपर कमांडो धुव को!

आह!

कमांडो फोर्स को तुम जैसे
नाली के कीड़े कभी चाट नहीं
सकते।

... आज तेरी कहानी
खत्म होकर रहेगी। पहले हम
कमांडो फोर्स को खत्म
करेंगे...

तड़क

अब मैं पहले तेरी खोपड़ी को
फाड़ूंगा, छोकरी!

और फिर तेरे दोस्त की
खोपड़िया उड़ाऊंगा।

और बेताब ही रह गई—

लगा खोपड़ी का
निशाना, उस्ताद!

द्विगार पर उंगली दबने को बेताब हुई—

घटनास्थल पर आ चुका था...

सुपर कमांडो
ध्रुव ! आह !

अपने कैप्टेन की उपस्थिति ने, कमांडो रेणु की रगों में दौड़ते खून को एक बार फिर खौला दिया —

ਨਾਉ ਨਾਉ

ਕੈਪਟੇਨ!

और फिर लड़ाई खत्म होने में...

००० ज्यादा देर नहीं लगी-

ਸਤਾਕ

ओह! पीटर को
गोली लगा गई
है!

✓ यहाँ पर क्या हो
रहा था रेणु ?

मैं और पीटर 'कमांडो वैन' में इस इलाके में गड़त लगा रहे थे ! तभी हमने इन गुंडों को खुलेआम हथियार लेकर घूमते देखा !

और ये बात शायद इन गुंडों की भी पता थी । क्योंकि इनके होसले काफी बुलन्द थे ।

हमारे ललकारते ही इन लोगों ने हम पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं ।



आश्चर्य की बात तो ये थी कि आमतौर से गड़ती पुलिस से भरे हुए इस इलाके में एक भी पुलिस वाला नजर नहीं आ रहा था ।



पीटर ने आगे बढ़कर इनका सामना किया । दो गुंडों को गिरा भी दिया ! पर एक गोली उसकी बांह में आलगी ।

तब मैंने गुंडों का सामना किया । और पीटर ने कमांडो हैड-क्वार्टर से संपर्क किया !



असो की कहानी तो तुम जानते ही हो !

कमाल है । इस इलाके के सारे पुलिस वाले कहीं चले गए ?

कमांडो हैडक्वार्टर पहुंचने पर ध्रुव को एक और झटका देने वाली खबर मिली—

हां, ध्रुव ! हमारे ट्रांसमीटर पर कई लूटपाट की रिपोर्ट आ चुकी हैं ।

इस पूरे इलाके में एक भी पुलिस वाला नहीं है ।

तो आखिर ये सब पुलिस वाले गए कहां ?

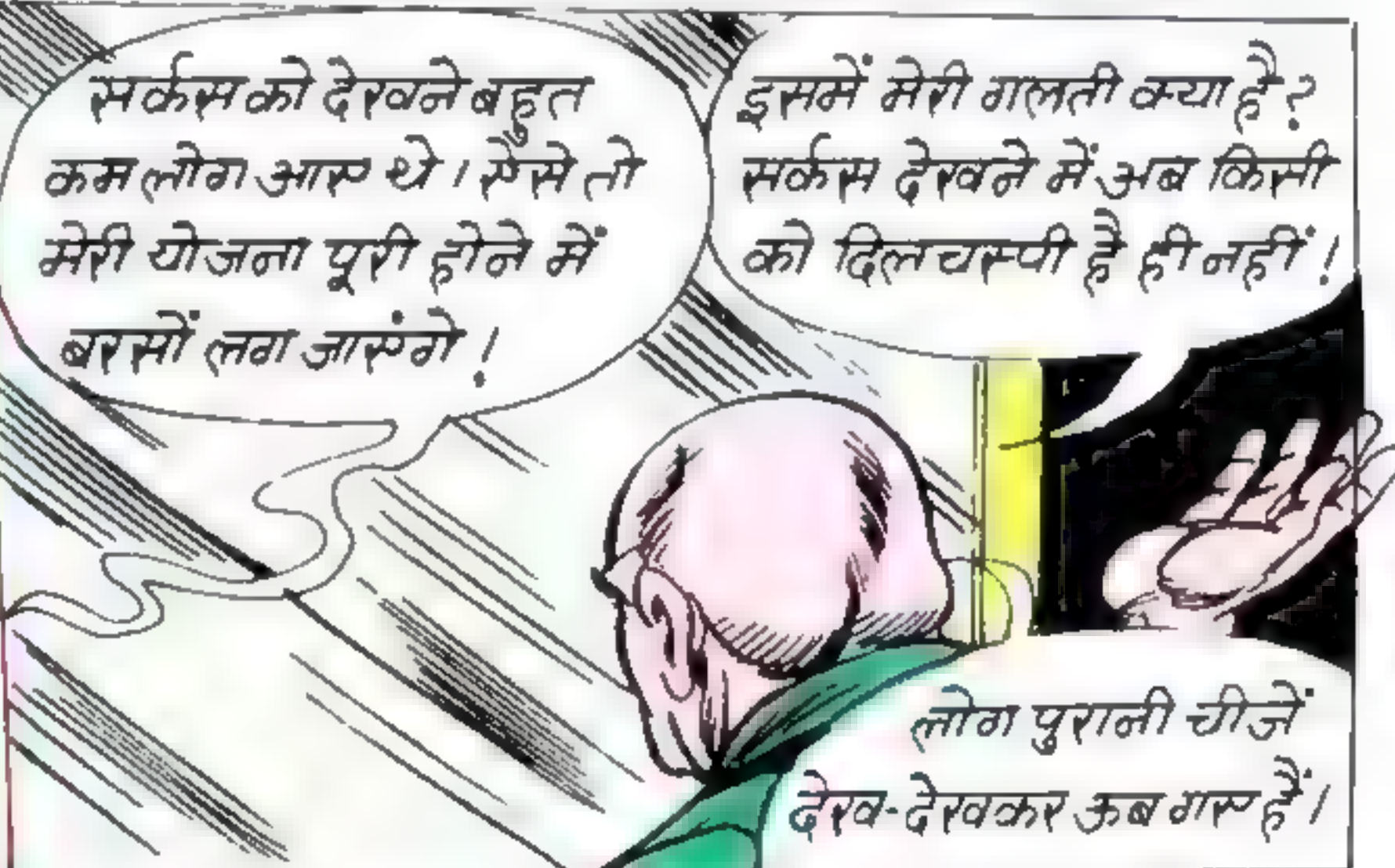
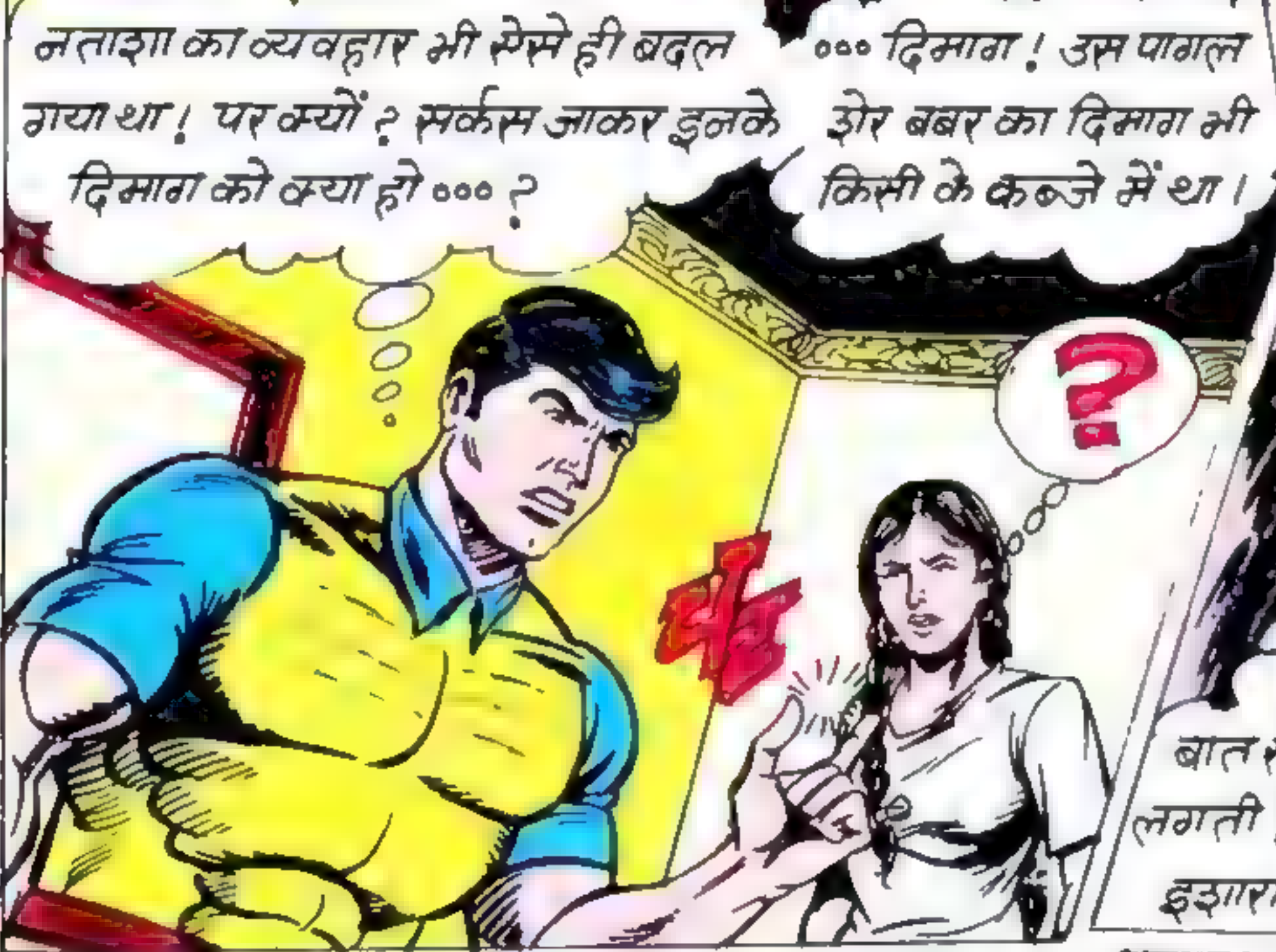
जवाब आई० जी राजन के पास था—



कमाल है । ये ऑर्डर किसने दिया, पापा ?

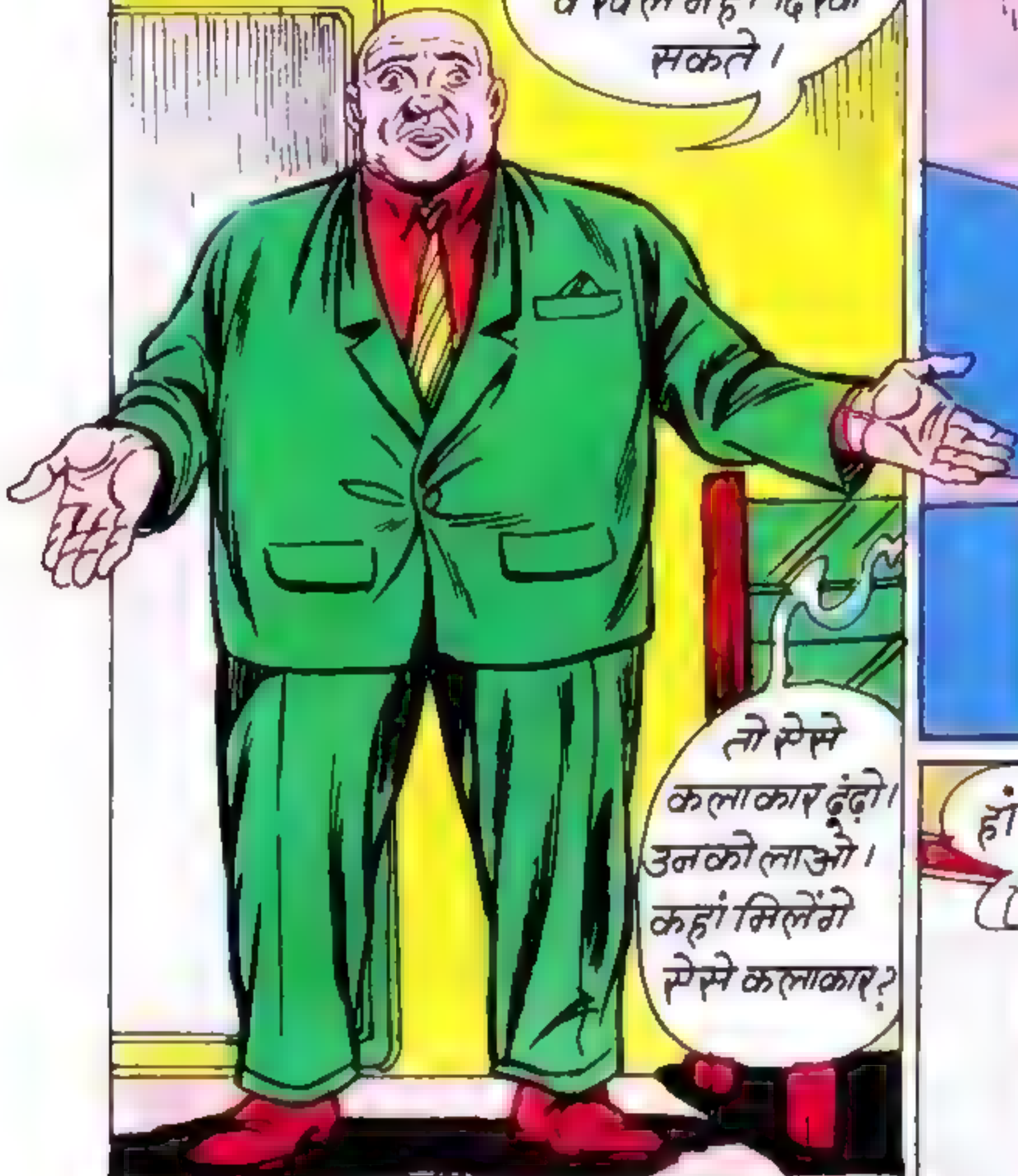
वे जवान, सर्कस के सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात कर दिए गए हैं । सर्कस की सुरक्षा की ज्यादा जरूरत है ।

मैंने !



अब वे सिर्फ तभी
सर्कस देखने आएंगे, जब
उनको रोंगटे खड़े कर देने वाले
खतरनाक खेल देखने को मिलें।

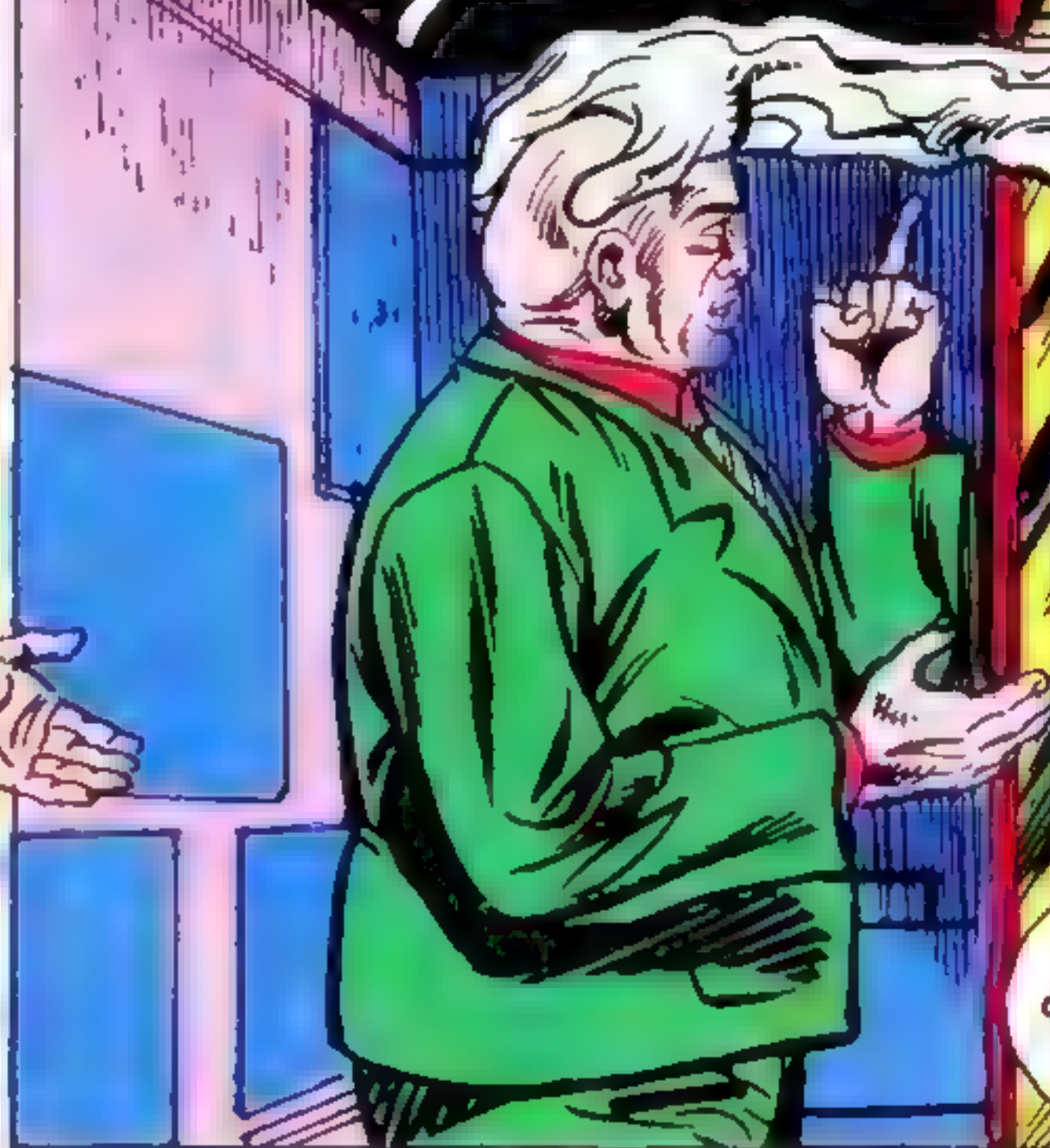
और हमारे
सर्कस के कलाकार
वे खेल नहीं दिखा
सकते।



तो ऐसे
कलाकार ढूँढो।
उनको लाओ।
कहाँ मिलेंगे
ऐसे कलाकार?

कई कलाकार नहीं, सिर्फ एक
कलाकार। सिर्फ एक ही कलाकार ये
सारे खेल कर सकता है। और वह
इसी शहर में रहता है।

मैं तुम्हारे दिमाग में
उसका नाम पढ़ रहा हूँ।
सुपर कमांडो ध्रुव!



यह वही लड़का है
न, जिसने बबर को पकड़ा
था?



हां!

तो
जाओ!

और उसको किसी भी
कीमत पर ये शो करने
को राजी करो

जाओ!

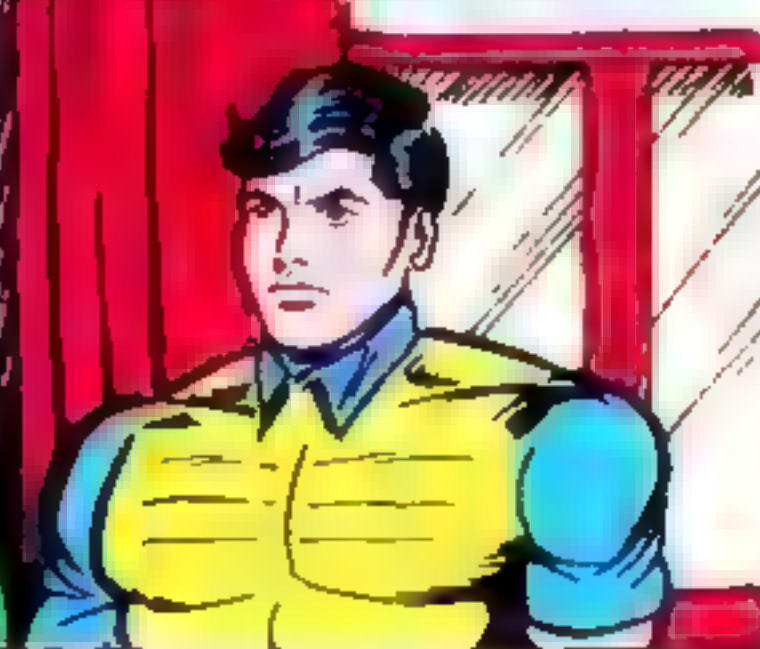
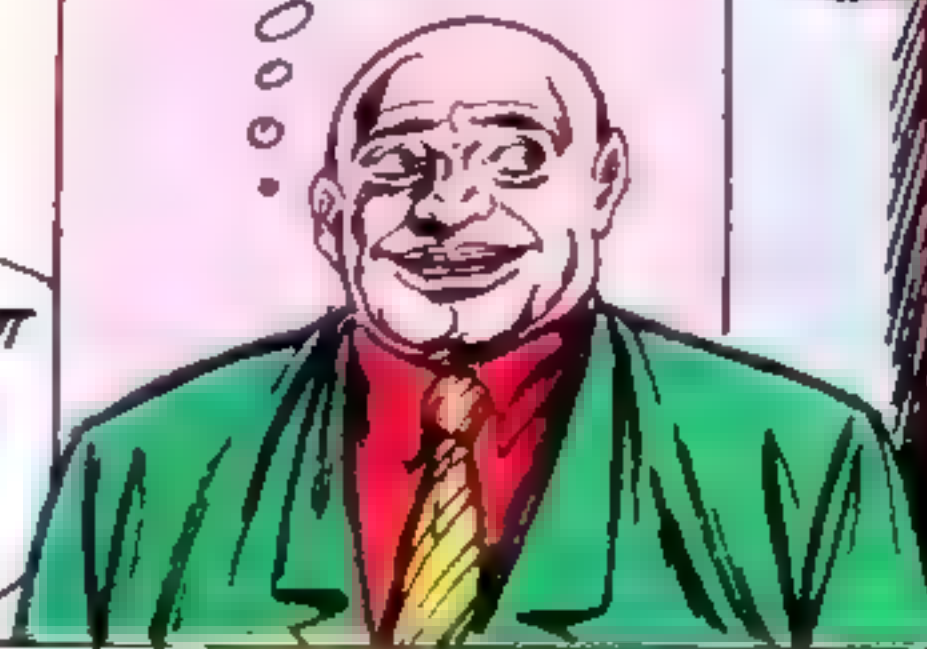
सर्कस एक कला
है। और यह कला मर रही है,
अगर कोई बचा सकता है तो
सिर्फ तुम!



ठीक है। आयप्या
साहब, मैं शो करने
को तैयार हूँ।

यह काम तो बड़ी
आसानी से हो गया। इसने
तो पैसे तक की बात नहीं
की।

अब मैं जान सकूंगा कि
मरकरी सर्कस के अंदर
क्या गड़बड़ चल रही है।



रातों-रात
पोस्टर धूपे-

और सुबह-सुबह शहर की
दीवारों पर चिपक गए-



वाऊ! सुपर
कमांडो ध्रुव
का शो!

ध्रुव शो
देगा।

मैं तो आज ही
अपने पूरे घर
को लेकर
जाऊंगा।

उस रात सर्कस का तंबू, खचारवच भरा था-

और इससे कहीं
ज्यादा भीड़ सर्कस
के तंबू के बाहर
थी-



लेडीज एंड जेंटिलमेन!
और हमारे प्यारे-प्यारे
नन्हे दोस्तों!

आज मरकरी सर्कस
आपके चहेते सुपर कमांडो
ध्रुव के करतबों से
जगमगाएगा।

लेकिन
सुपर कमांडो ध्रुव
के कारनामों से पहले हम
पेश करते हैं, इस दुनिया
का एक और अजूबा...

... सुपर मेंटलिस्ट यानी
आश्चर्यजनक मानसिक
शक्तियों के धारक...

यूरी शेलर
को...

यूरी शेलर के मानसिक करतबों के दौरान सबकी आंखें फटी रहीं,
और सबके मुंह खुले के खुले रहे-



आप लोगों में से जो भी
चाहे, यूरी की मानसिक शक्तियों
का इस्तिहान ले सकता है।

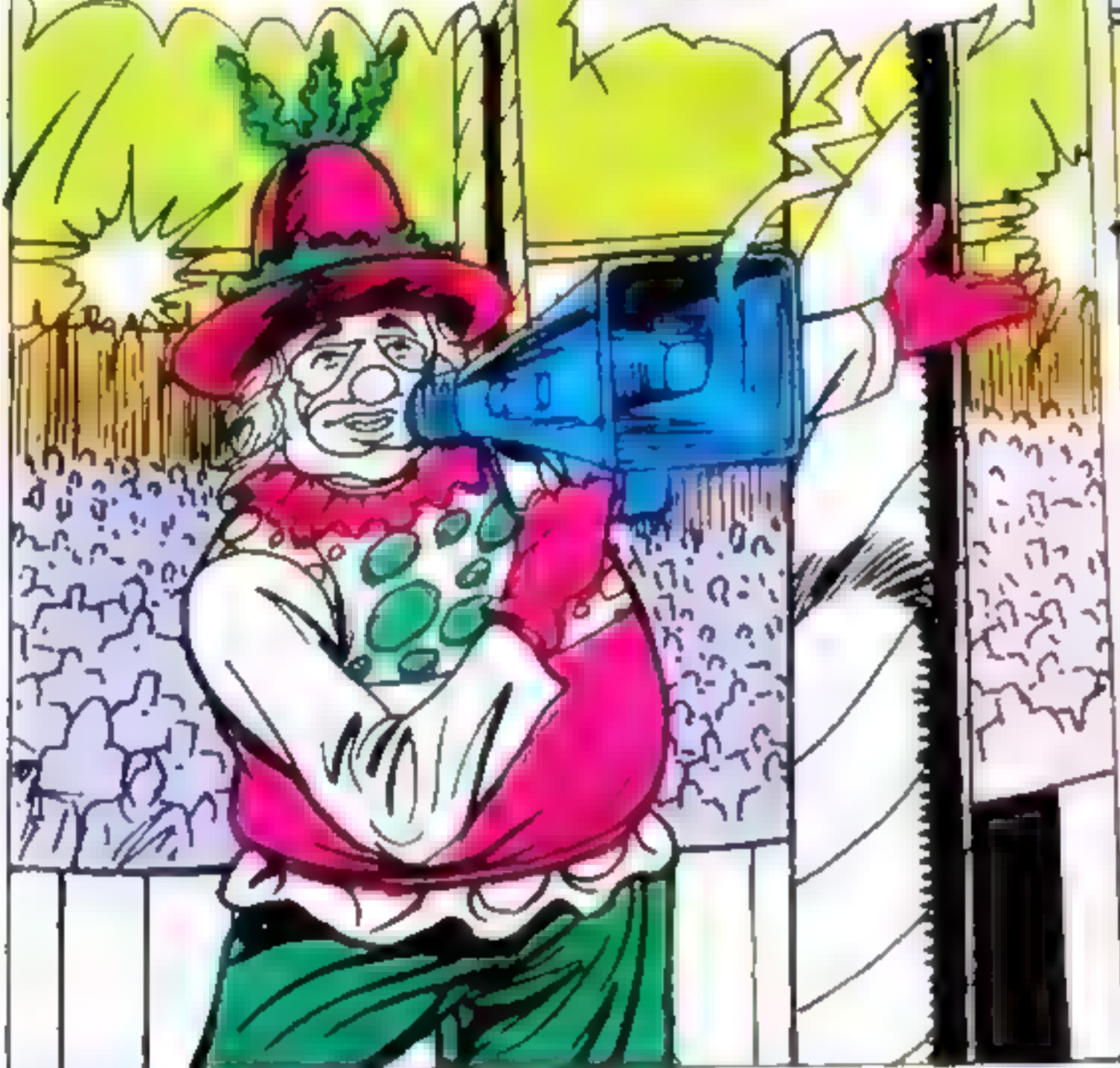
मैं किसी के
भी दिमाग को
कब्जे में ले
सकता हूँ!



और अब समय था - स्क् सुपर स्टार को पेश करने का -

लेडीज, जेंटिलमेन...
और स्वीट-स्वीट, कुचि-
कुचि नन्हे दोस्तो...

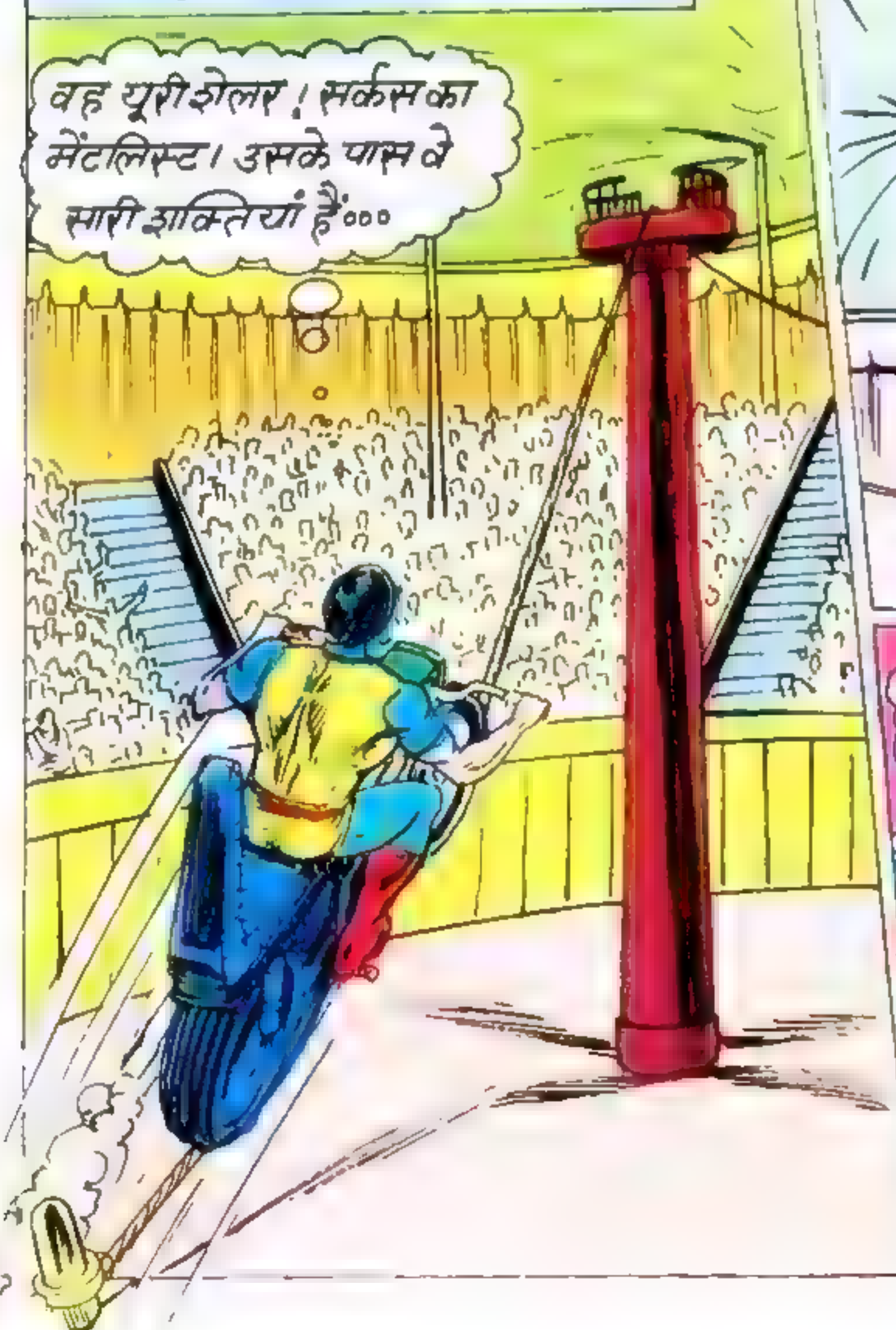
अब आपके सामने
आ रहे हैं... आपके
चहेते... आज शाम
के सुपर कलाकार...



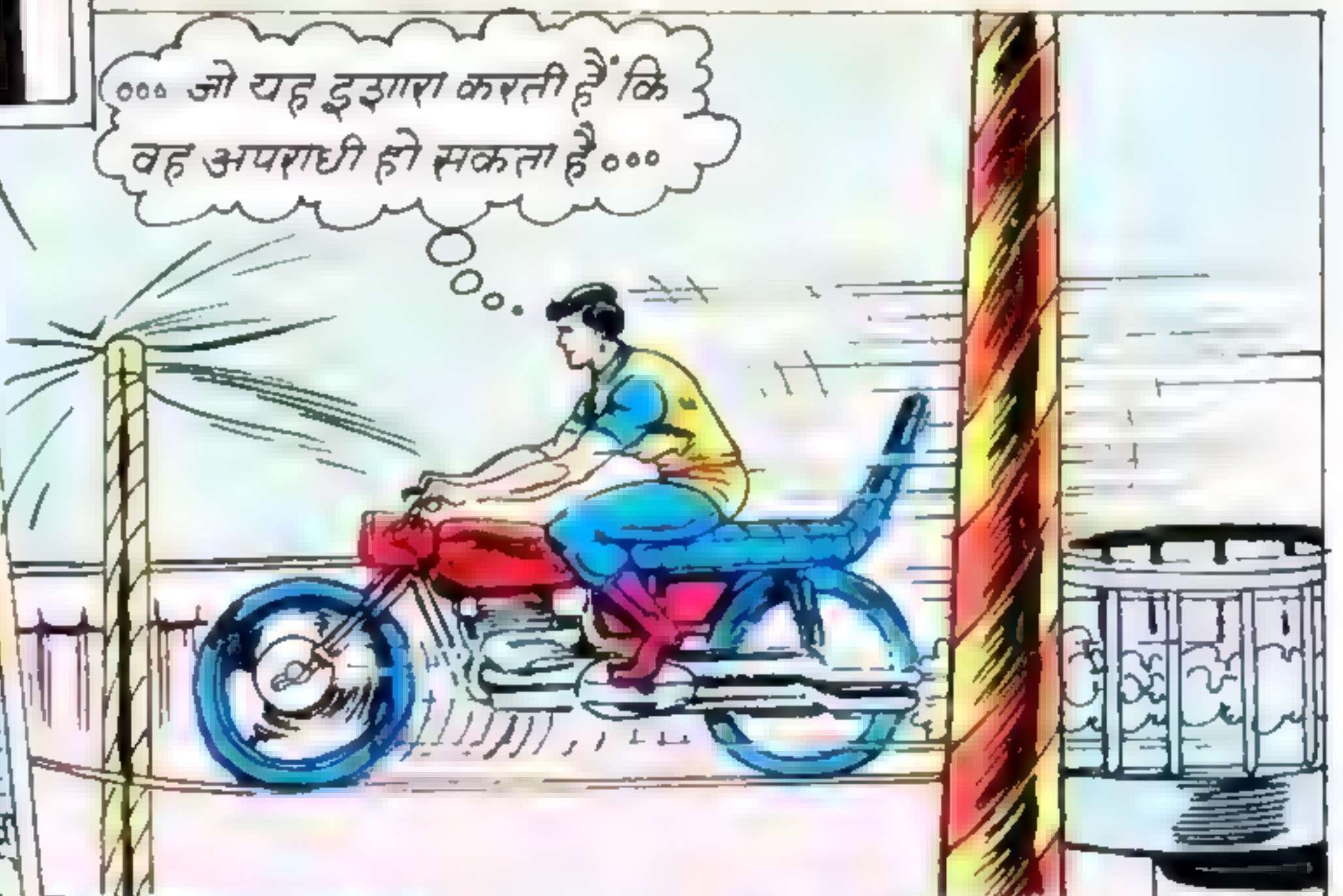
तालियों की गड़गड़ाहट और...
दर्शकों के शोर से, सर्कस का पूरा पंडाल हिलने लगा -

लेकिन ध्रुव का दिमाग कहीं और था -

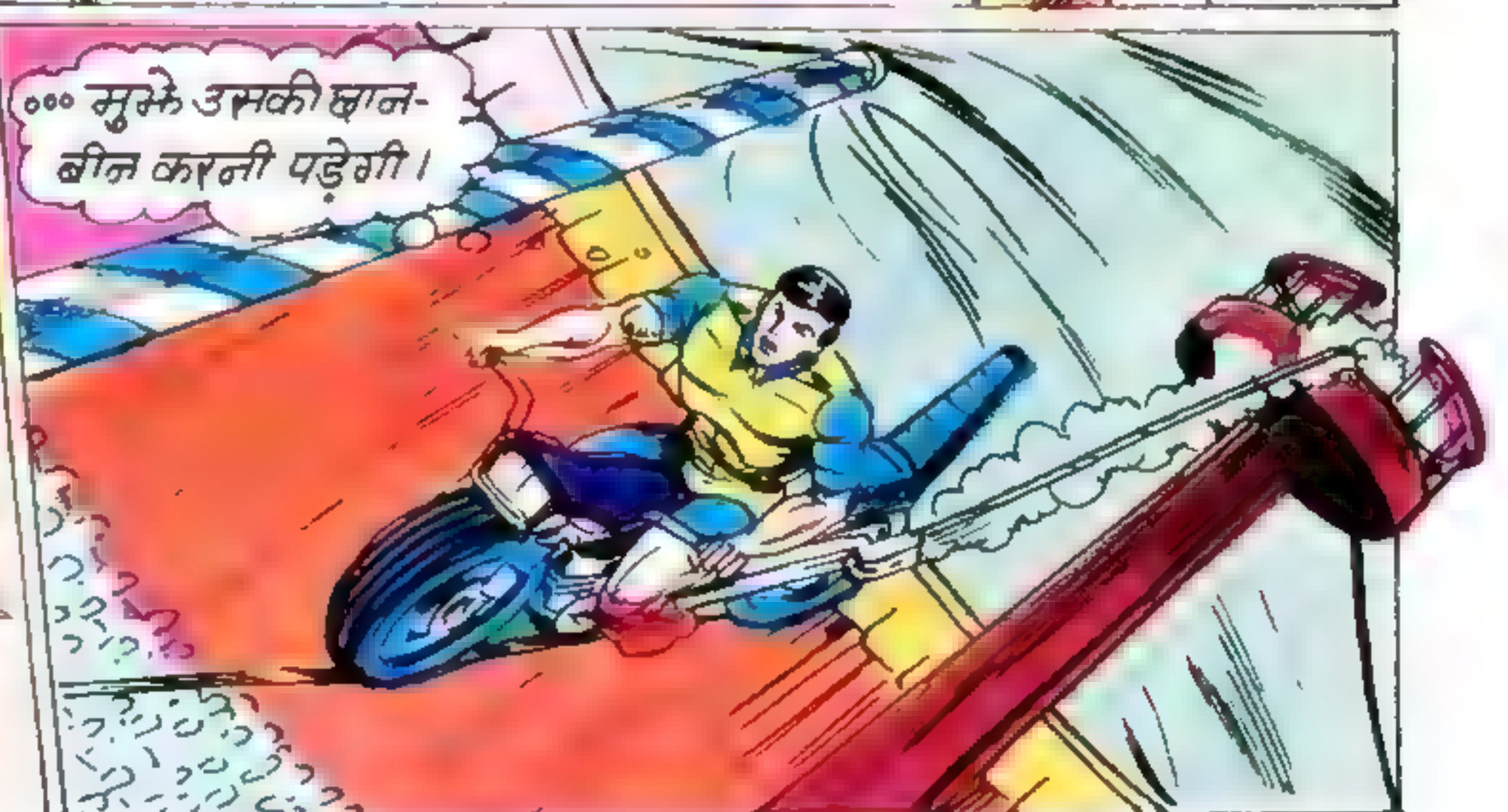
वह यूरी शेनर! सर्कस का
मेंटलिस्ट! उसके पास वे
सारी शक्तियां हैं...



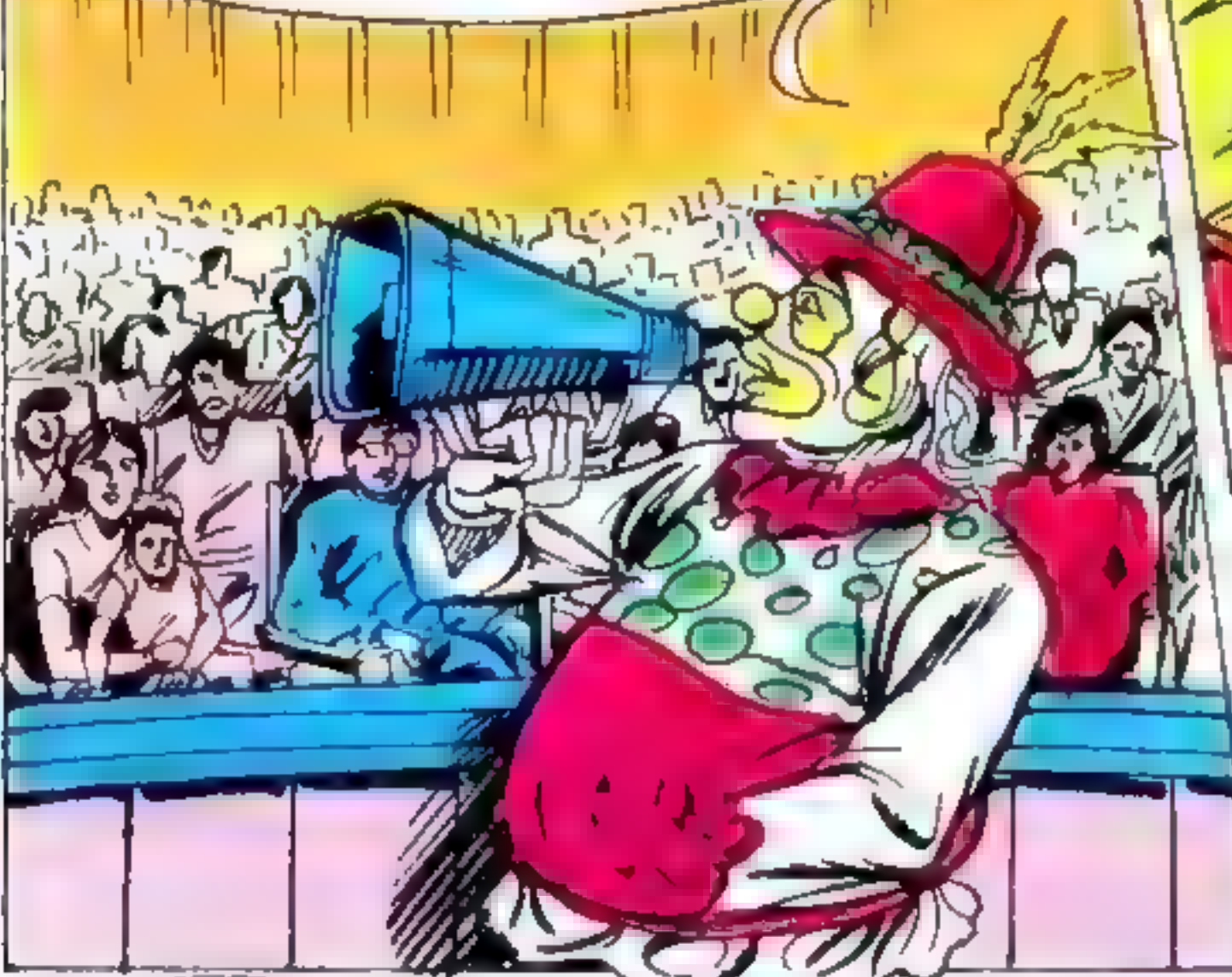
... जो यह इशारा करती हैं कि
वह अपराधी हो सकता है...



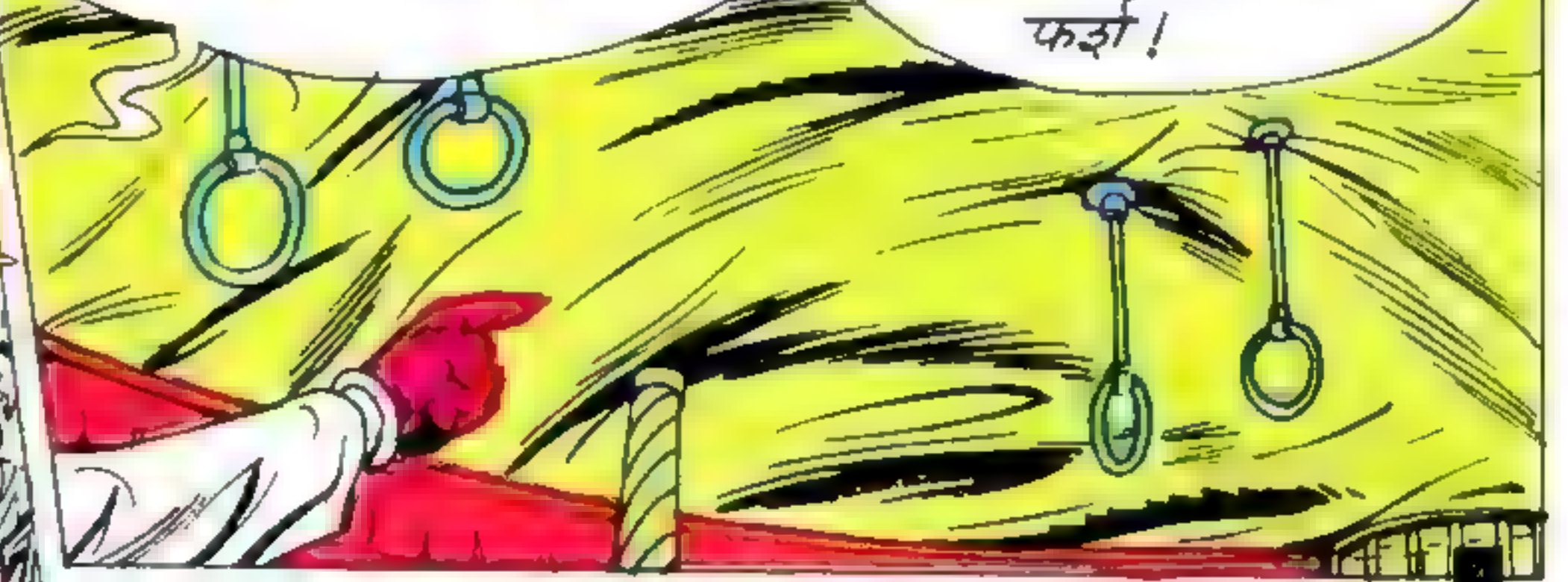
... मुझे उसकी खान-
बीन करनी पड़ेगी।



००० अपनी इस डेडिंग रेंद्री के बाद,
सुपर कमांडो ध्रुव अब आपको दिरवाएंगे,
भूले पर मौत की चुनौती देने वाली
कलाबाजियां ०००

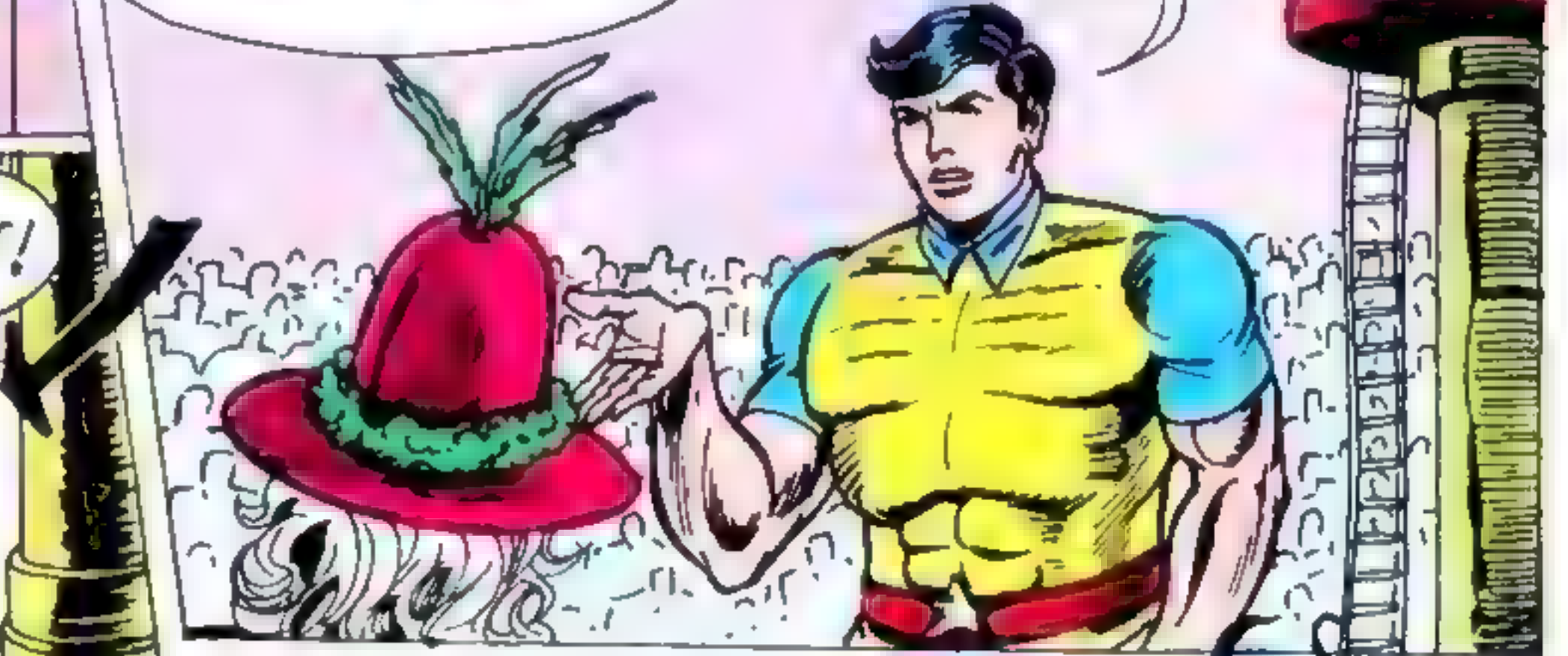


००० फर्क सिर्फ इतना है कि भूले की
जवाह होंगे सिर्फ दो रिंग ०००



००० और नीचे जाल की जवाह
होगी ००० सिर्फ हवा और सरवत
फर्ई !

मैं तो ये करतब दिरवा लूंगा, मेरे साथ ये रखतरनाक रवेल
पर इस रवेल में एक पार्टनर की और कौन दिरवाएगा ?
भी जरूरत होती है।



ये ! मैडम
रिया !

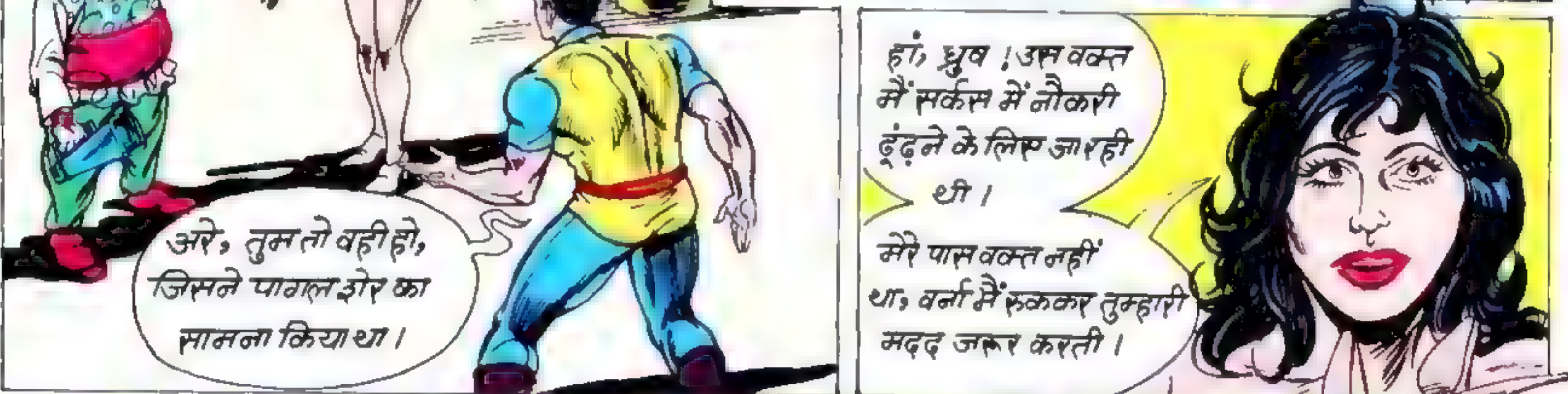
हेलो, ध्रुव !



अरे, तुम तो वही हो,
जिसने पागल शेर का
सामना किया था।

हां, ध्रुव ! उस वक्त
मैं सर्कस में नौकरी
ढूढ़ने के लिए जा रही
थी।

मेरे पास वक्त नहीं
था, वरना मैं रुककर तुम्हारी
मदद जरूर करती।



शो शुरू
हुआ -

और दर्शकों के साथ-साथ, ध्रुव भी
आश्चर्यचकित हो गया -

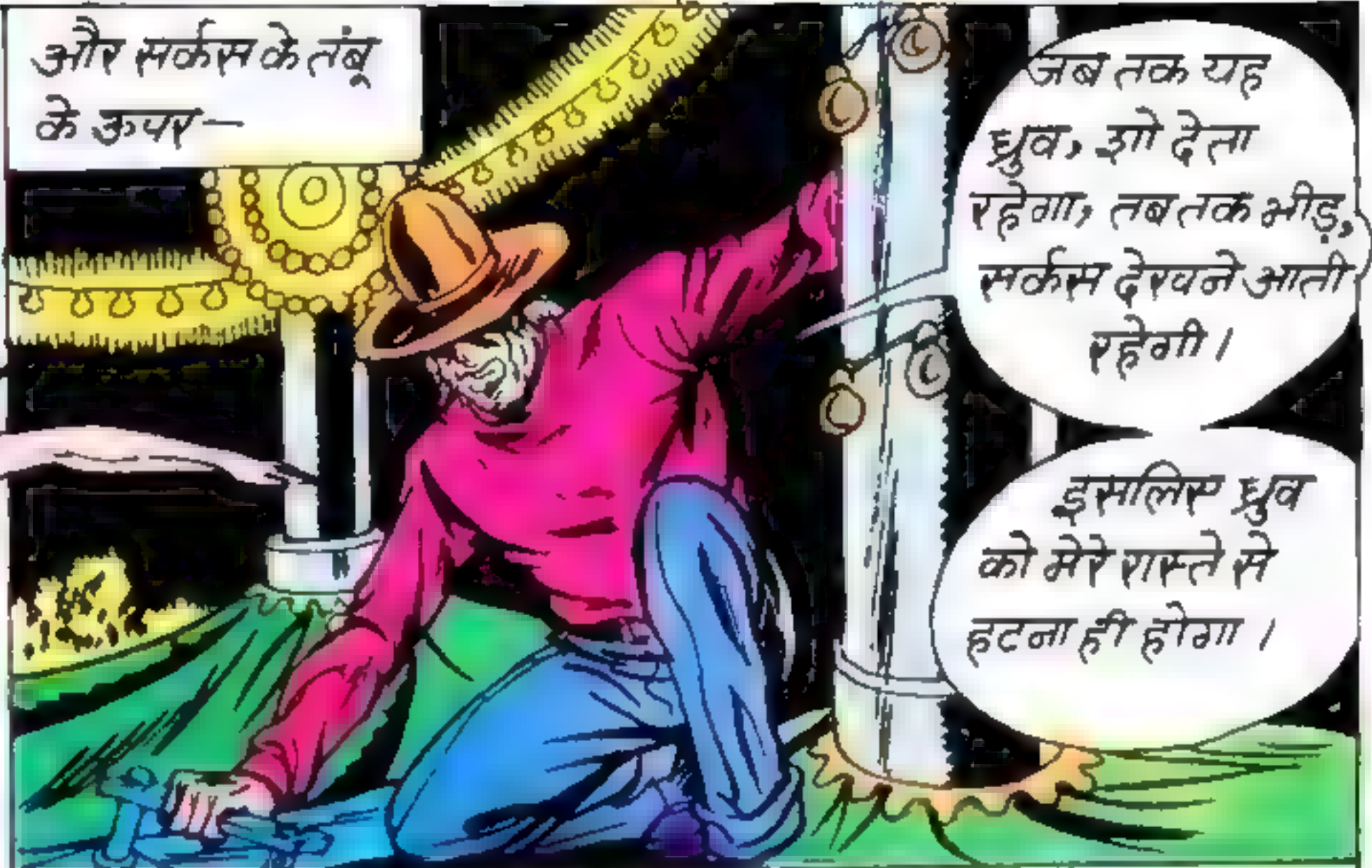
कमाल है। यह लड़की तो
जबरदस्त कलाबाज है।

सर्कस

अन्दर- जनता, ध्रुव और रिचा के दिल दहलाने वाले करतबों की सांस रोककर देर रही थी-



और सर्कस के तंबू के ऊपर-

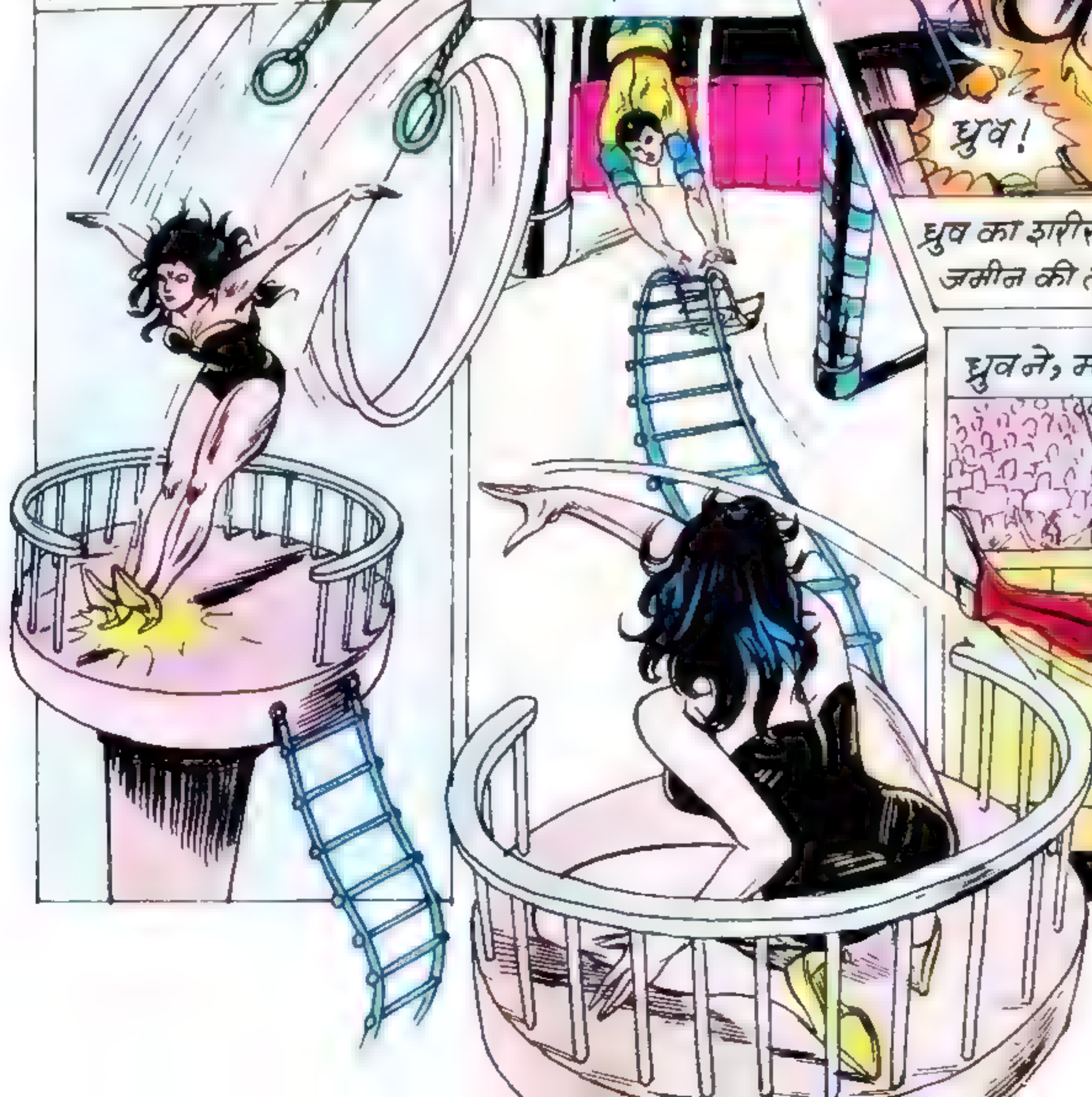


हाथों के एक एकटके ने, रिंग की धामने वाले बंधन खोल दिए-

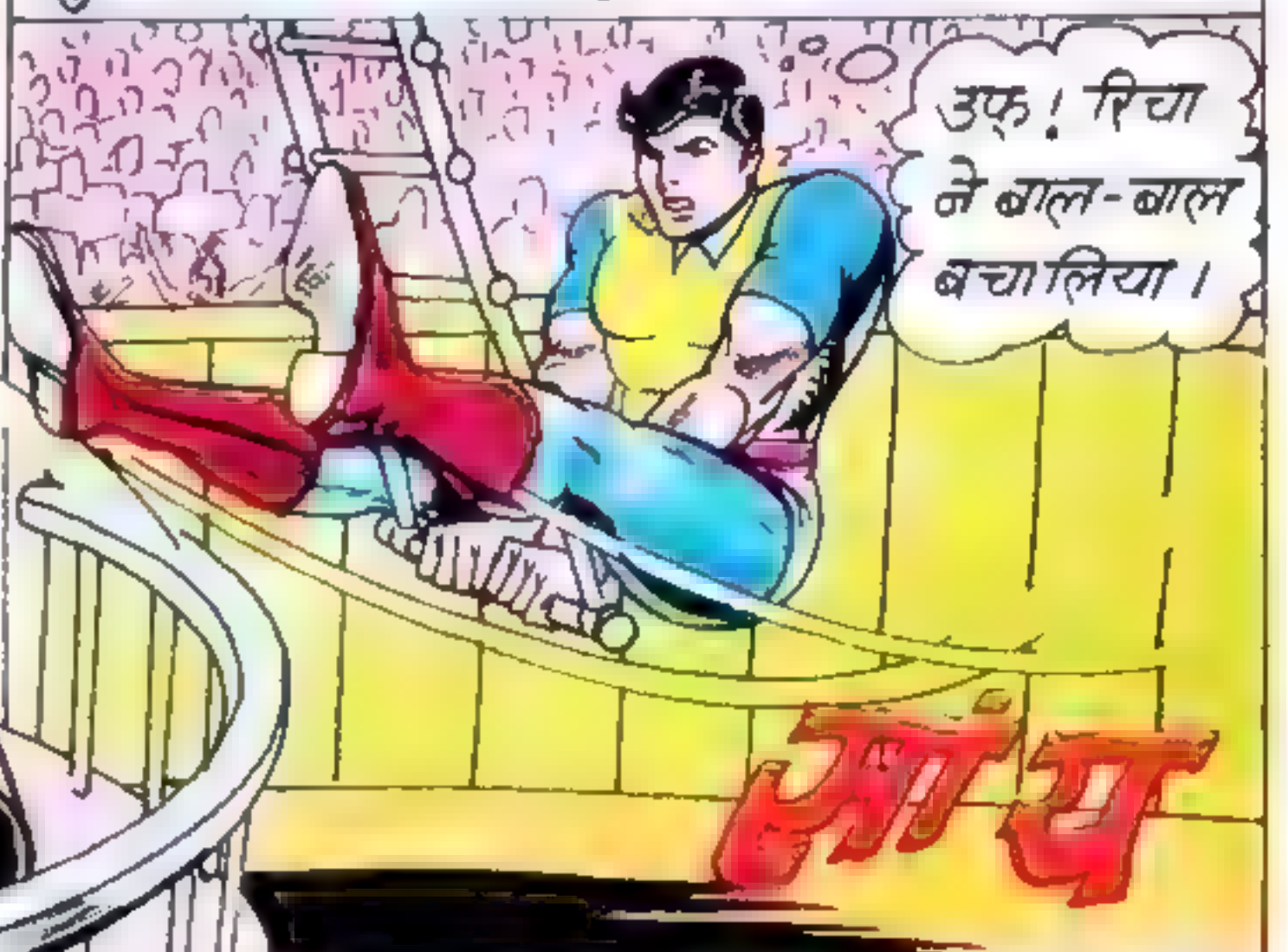


अगले ही पल- रिचा का भी बदन, हवा में घूमता हुआ स्टैंड पर आ टिका-

और स्टैंड से लटकी रस्सी की सीढ़ी, ध्रुव की तरफ झूल गई-



ध्रुव ने, मौत को एक फुट से मात दे दी थी-





दर्शकों ने इसको खेल का ही एक अंग समझा—

कमाल का करतब दिखाया ध्रुव ने।

मेरी तो सांस ही रुक गई थी।

ऐसे खेल देखने को मिले तो मैं बार-बार सर्कस देखने आऊँ।

लेकिन अब मुझे ध्रुव की जरूरत ... जिसको नहीं है। ध्रुव के दिमाग को पढ़कर इस्तेमाल करके मुझे एक ऐसी चीज का पता मैं अपनी मानसिक शक्तियों को हजारों गुना बढ़ा सकता हूँ।



वह है इसी शहर के एक प्रोफेसर द्वारा ईजाद किया गया एक 'मेटल-सम्प्लिकायर'। और उसको लाने के लिए मैं सर्कस के स्ट्रांगमैन रटलस और निशानेबाज लुई को पहले ही भेज चुका हूँ।



ध्रुव का दिमाग पढ़कर मुझे यह भी पता चला है कि वह यहां पर मेरा पर्दाफाश करने आया है। उसको भी चुपचाप खत्म करने का रास्ता तलाशना पड़ेगा।

और जो खत्म होने के बाद—



अब तो आपको तसल्ली हो गई न! सर्कस के अगले कई शो के लिए टिकट बुक हो चुके हैं।

देखने आने वालों के दिमाग तो आपने कब्जे में ले ही लिए होंगे?

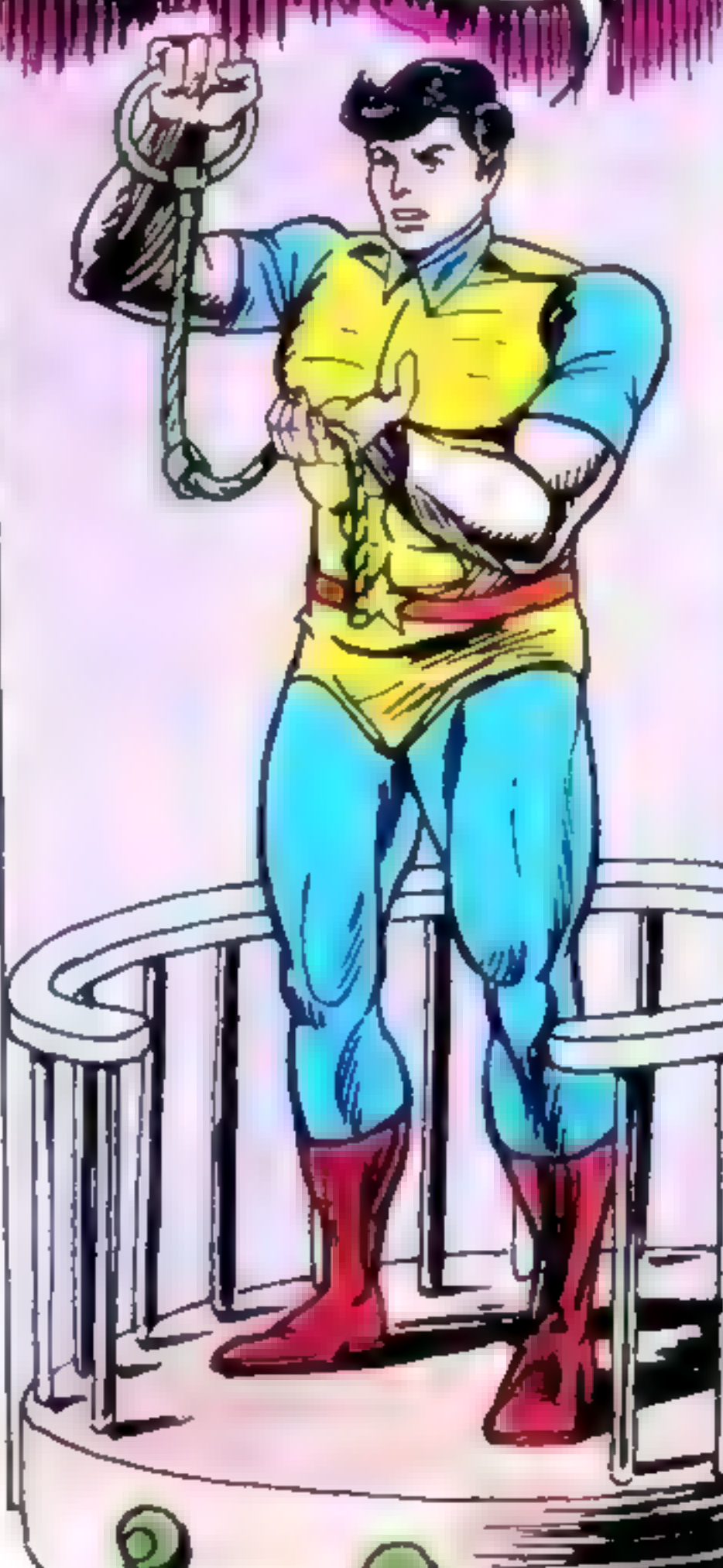
हां! लेकिन ध्रुव का दिमाग मैं अपने कब्जे में नहीं ले सका। और ध्रुव का कोई भरोसा नहीं...

... कि वह कब, कहां पर क्या गड़बड़ कर देगा!

ध्रुव को भरोसा नहीं था, कि रिंग का टूटना एक दुर्घटना थी—

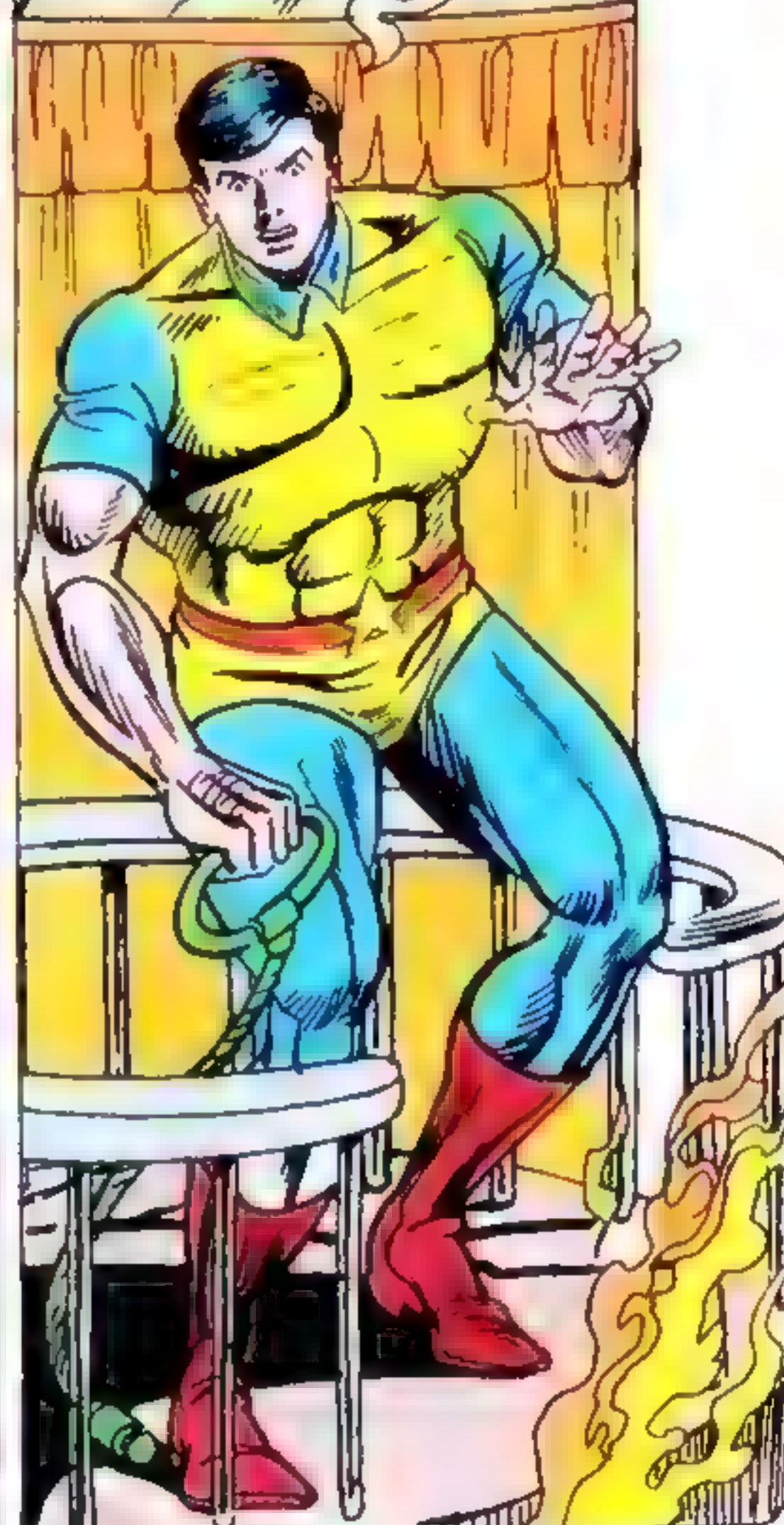
चे रहा वह रिंग। मुझे पता था कि यह टूटकर स्टेड पर ही गिरा नहीं है, बल्कि

और इसको लटकाने वाला होल्डर टूटा नहीं है, बल्कि खोला गया है!



किसने खोला यह पेंच? मुझे मारने की कोशिश कौन कर रहा है? अरे... एकदम से गर्मी कैसे हो गई?

ओह, आग!



हां, आग, सुपर
कमांडो ध्रुव! तू रिंग
के टूटने से तो बच
गया...

... पर इस
आग से नहीं
बच पाएगा!

ओह! तो इसने ठीक
किए थे रिंग, पर क्यों?
ये है कौन?

हा हा हा! अब तू अपनी
चिता का नजारा देखता रह।
मैं तो चला!

लेकिन भाग नहीं सका--

ब्लैककैट!

ये सही कह रहा
है। रिंग टूट चुका है।
मैं भूलकर भी भाग
नहीं सकता।

और न ही कूदकर
या उतरकर बच सकता
हूँ...

उस रहस्यमय बूढ़े
ने भागने को कदम बढ़ाया--

हां, ध्रुव! पहले इस बूढ़े से
मैं! निपट लूँ। दो-तीन
सेकण्ड लगेगें!

उसके बाद मैं तुमको उतारने
का इंतजाम करती हूँ।
पहले मैं
रिचा के रूप
में तुम्हारे साथ
थी, अब ब्लैक
कैट के रूप में
हूँ।

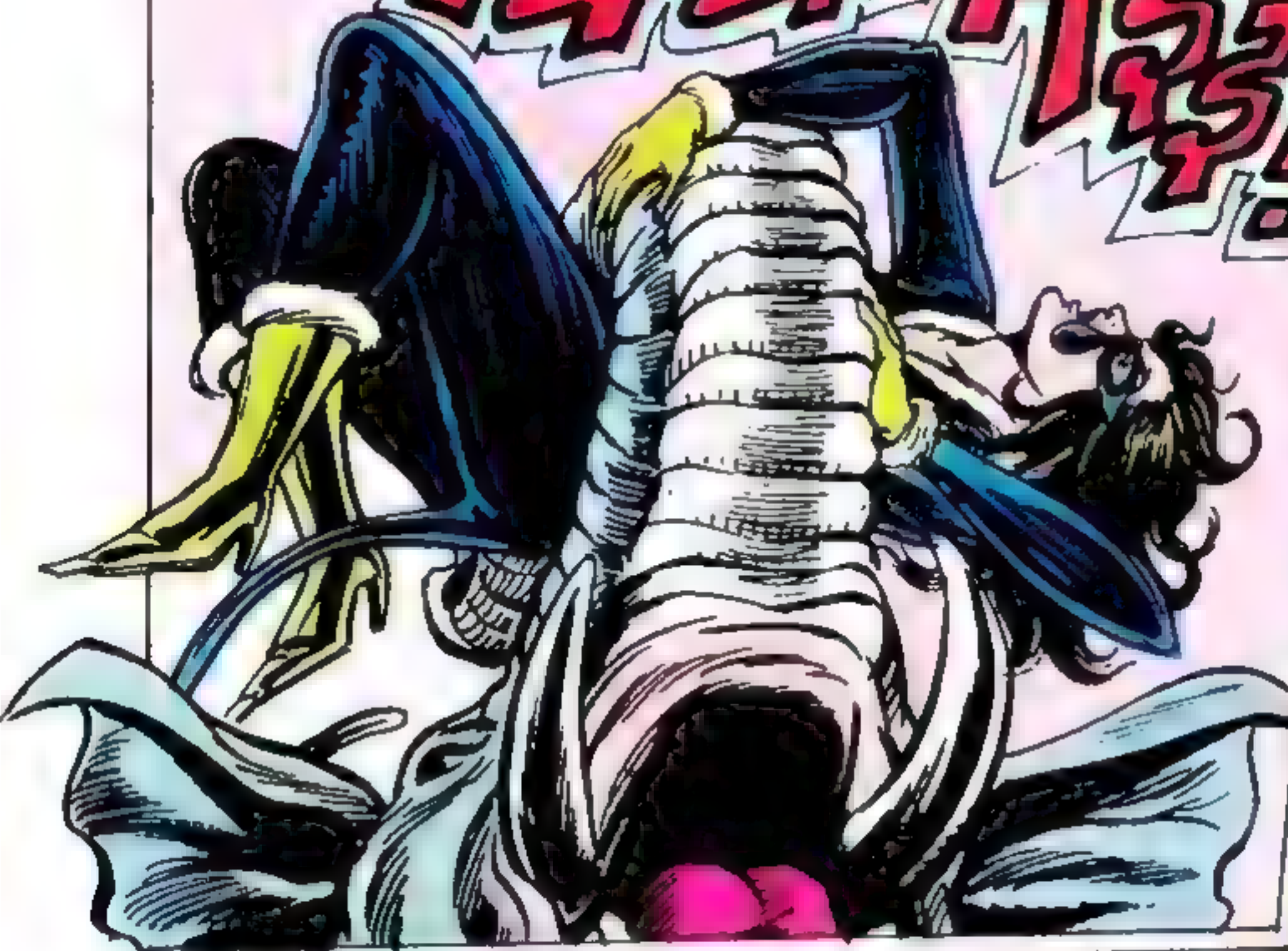
लेकिन ब्लैककैट को वह मौका नहीं मिला--

जंबो!

ओह! इसके आवाज लगाते
ही वह हाथी तेजी से मेरी
तरफ बढ़ रहा है। और हाथी
से भागकर बच पाना
असंभव होता है।

कुछ समय पाने के पहले ही, ब्लैककैट, सूंड के शिकंजे में थी-

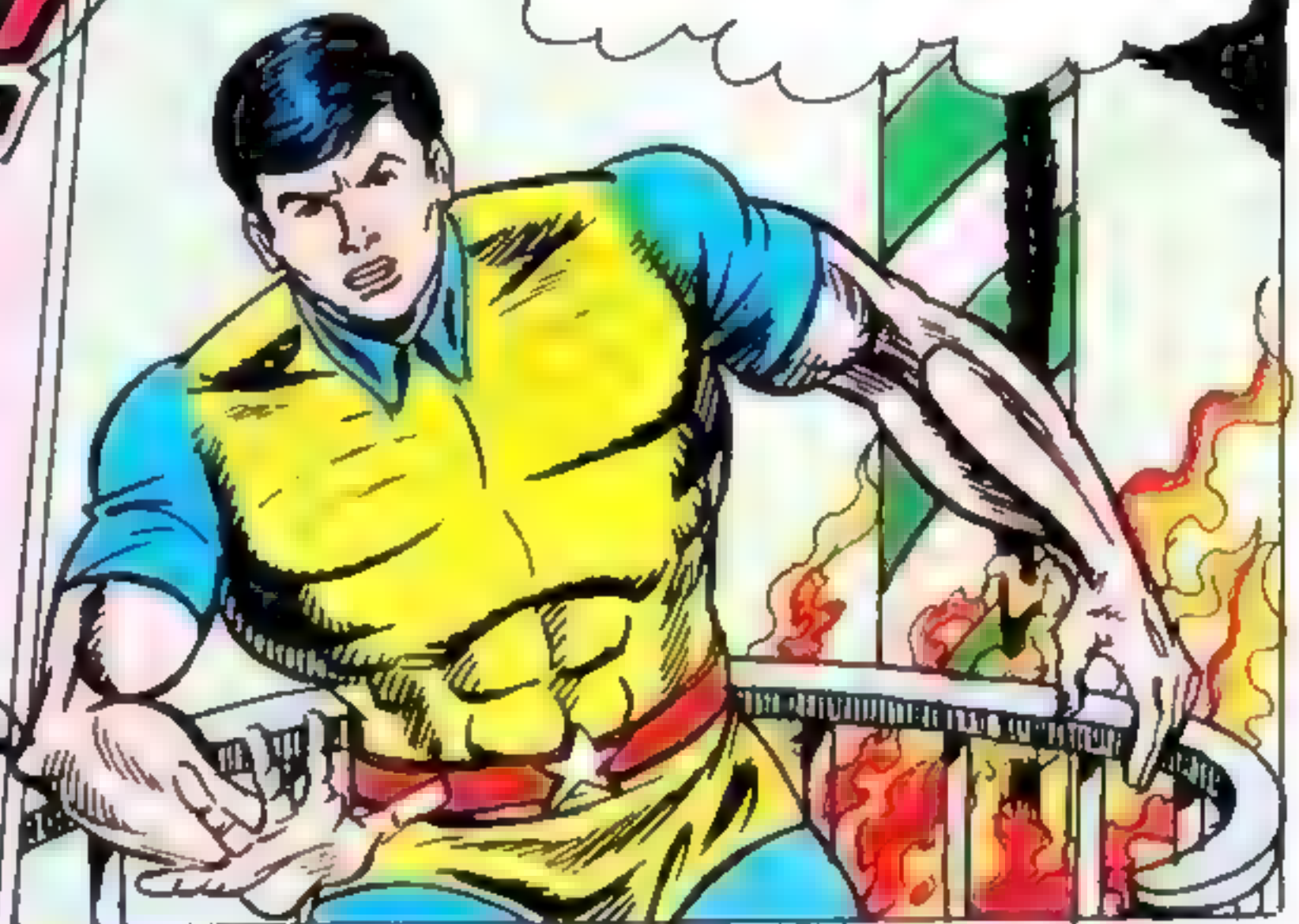
चियां चियां चियां!



धुव, हाथी की भाषा में चिंघाड़ उठा-

चियां चियां चियां!
यां यां य ई!

ओह! इस हाथी पर तो मेरी बात का कुछ असर ही नहीं हो रहा है। यह हाथी या तो किसी ओर के वडा में है, या फिर इसके सुनने की शक्ति कमजोर है।



वह बूढ़ा भी भाग रहा है। अब न तो मैं ब्लैककैट को बचा सकता हूँ, और न ही खुद बच सकता हूँ।

और दूसरी तरफ़ शहर में-

यही ऑफिस है, उस मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर वर्मा का। इसी के अंदर वह यंत्र रखा होना चाहिए।

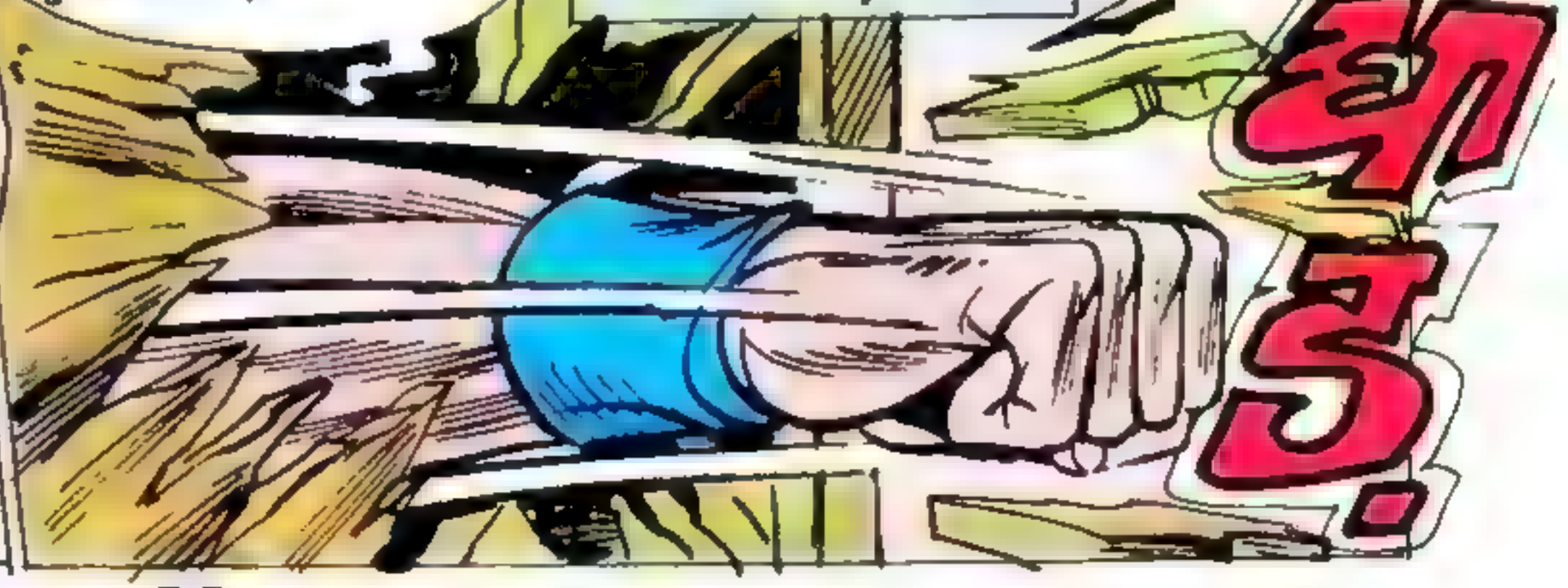
पर दरवाजे पर तो बड़ा मजबूत ताला लगा है।



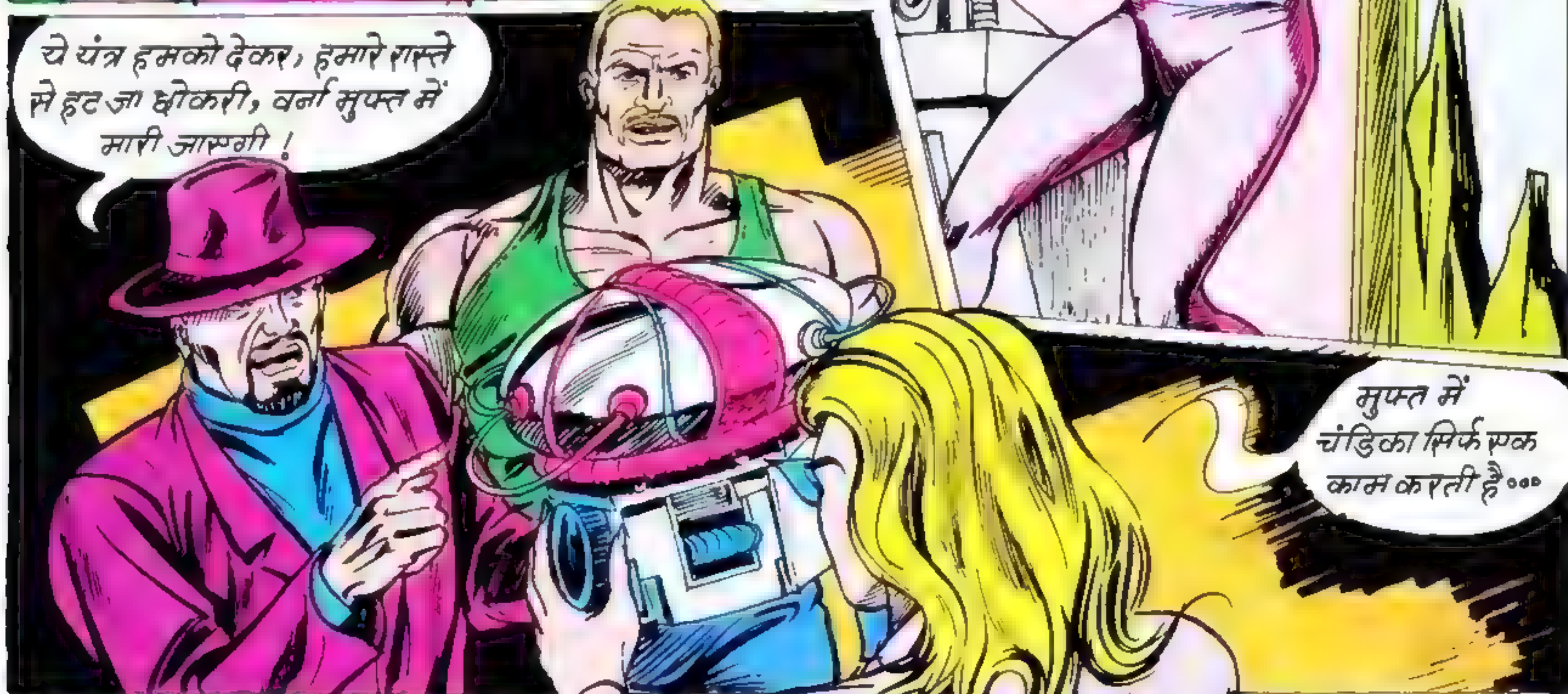
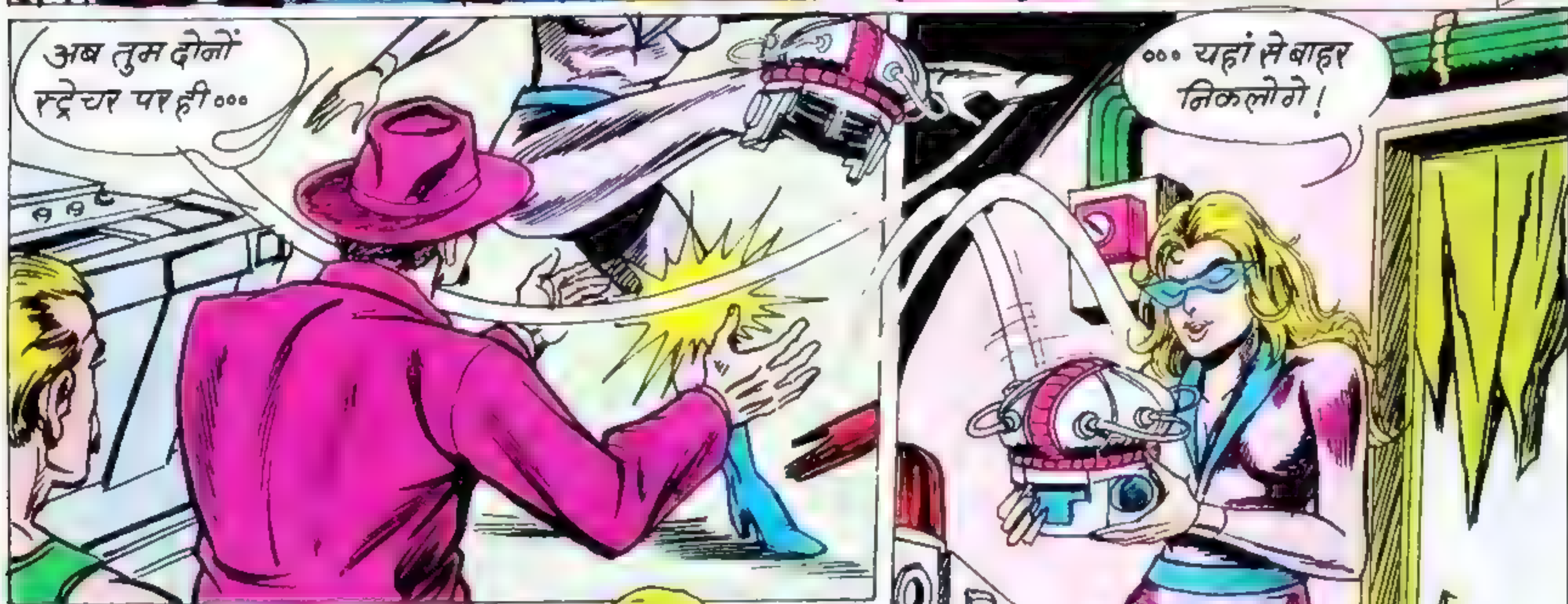
ताले को खोलना तो मैं नहीं जानता!

लेकिन दरवाजा खोलना मुझे आता है।

स्ट्रांगमैन स्टलस के एक ही बार ने दरवाजे के परखच्चे उड़ा दिए-



धियां





और वह है
पिटार्ई !

अब बोलो ! हो तो तुम सर्कस
से भागो हुर्र जोकर ! पर यहां
क्या करने आस थे ?

बोलो !

ध्रुव की पागल डोर से इसी
जगह पर लड़ाई हुई थी, इसी
लिए मैंने इस जगह पर नजर
रखने की सोची थी।

और मेरा शक ठीक
निकला। यह जगह ही
भगड़े की जड़ है।

अब मुझे असली
बात का पता...

आह !

स्टलस के घुंसों ने चंडिका
के दिमाग का हर एक कोना हिला दिया—



अब मैं तेरी खोपड़ी
का निशाना लगाऊंगा...

... दोनों आंखों
के बीचोबीच।

असहाय चंडिका के माथे की
तरफ रिवॉल्वर तन चुकी थी— और ट्रिगर धीरे-धीरे दब रहा था—

उधर- मरकरी
सर्कस के अंदर-

एक रास्ता समझ में आता है !
अगर वह काम कर गया तो
हम दोनों ही मौत के मुंह से
निकल आएंगे ।

ब्लैक कैट ! मैं जो
कुछ भी बोलूँ, उसको
वैसे का वैसे दोहरा देना ।
चियांयांयांकु ! यांयांयांई !

हाथी, ध्रुव का आदेश
समझ गया -

हाथी की सूंड खुल गई । और ब्लैक
कैट आजाद हो गई -



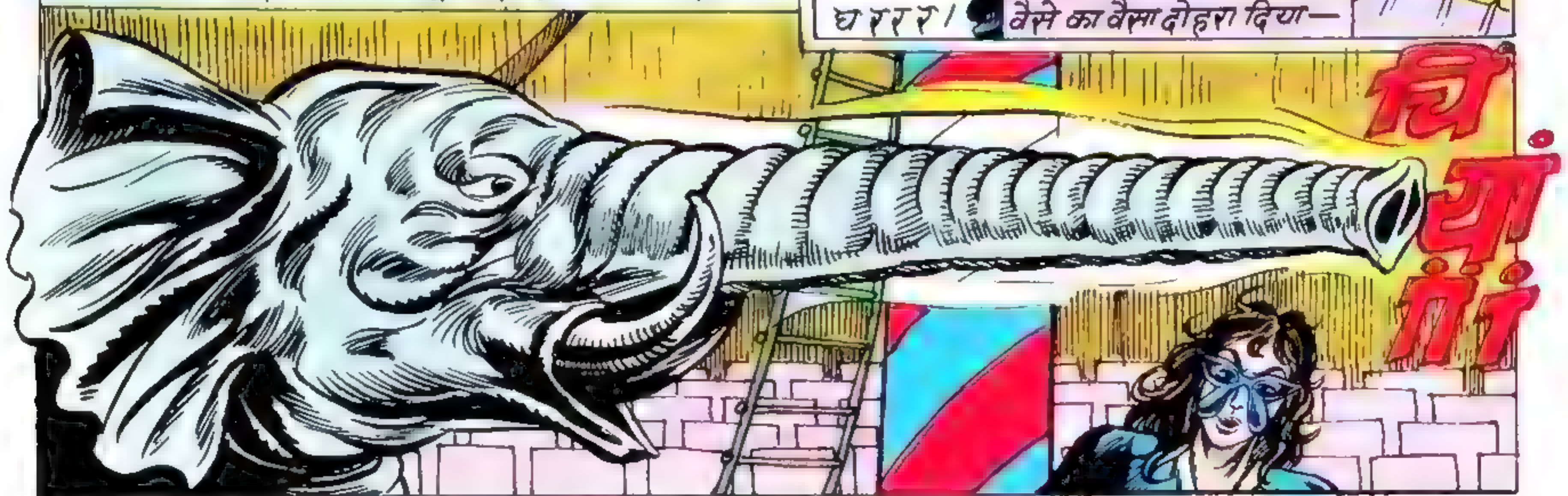
तो मेरा सोचना सही
निकला । इस हाथी के
कान कमजोर हैं । मेरी आवाज इस
तक नहीं पहुंच
रही थी ।

अगले ही पल ध्रुव के मुंह से फिर एक चिंघाड़ निकली-



यां यां यां
घ र र र । और ब्लैक कैट ने
वैसे का वैसे दोहरा दिया -

पलक झपकते हाथी की मजबूत सूंड हवा में तन गई-



चिं
यां
यां

और साथ ही साथ ध्रुव का बदन भी पच्चीस फुट की ऊंचाई से कूदकर हवा में तैर गया—



और कुछ सेकेण्ड बाद—



ध्रुव सुरक्षित जमीन पर था—

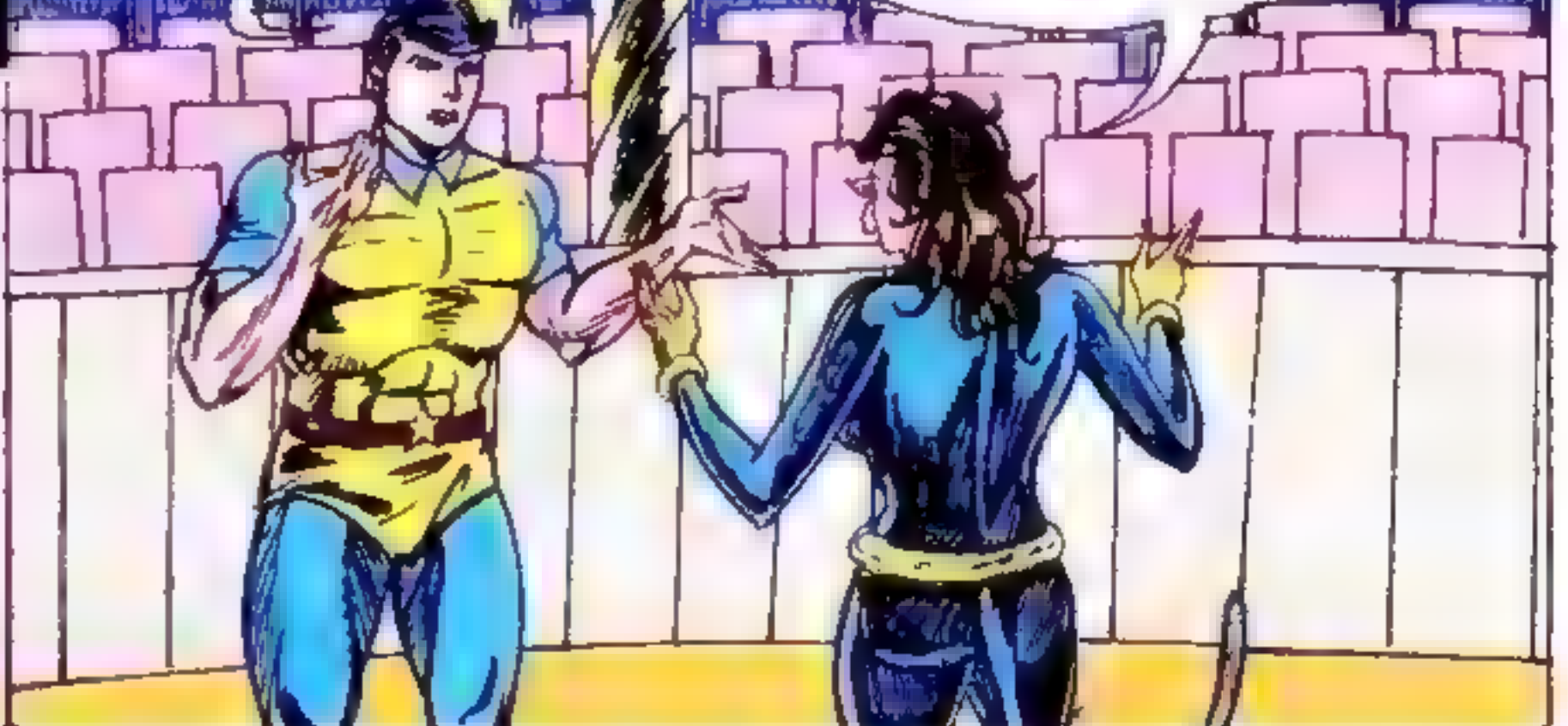
वह बूढ़ा कौन था, ध्रुव ? तुमको मारना क्यों चाहता था ?

यह मुझे नहीं पता, पर मैं यह अंदाजा लगा सकता हूँ कि इस घटना के पीछे किस आदमी का हाथ है !



लेकिन तुम यहां पर कैसे आ गई ? और वह भी स्नेन वक्त पर !

यह जान लो तो सारा सस्पेंस खत्म हो जाएगा । ब्लैक कैट के राज, ब्लैक कैट के पास ही रहने दो ध्रुव !



अचानक-

ध्रुव ! आग अपने
आप बुझ रही है !
पर कैसे ?



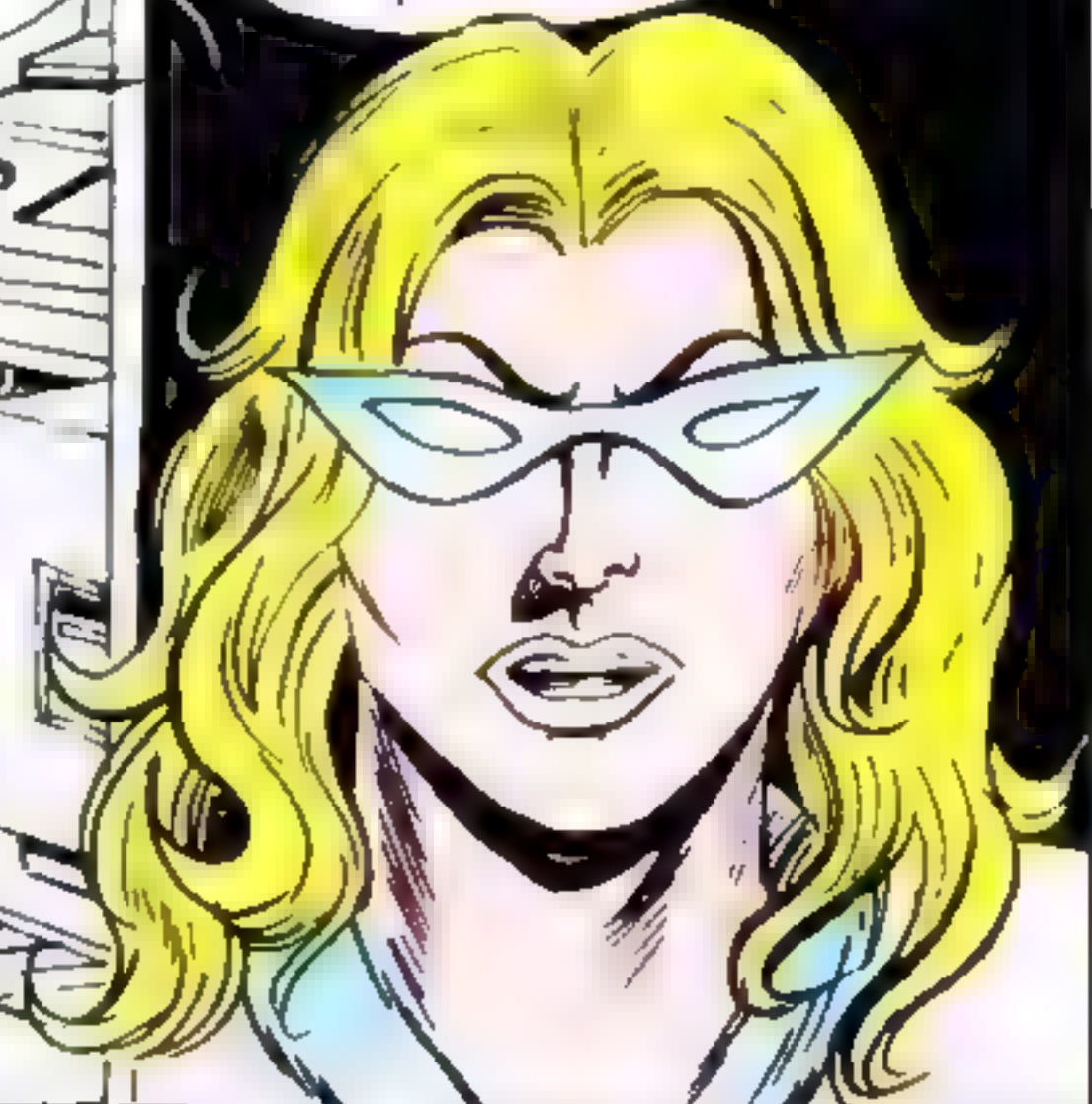
मेरे रज्जाल से
यह मानसिक शक्ति का
कमाल है ! आओ मेरे
साथ !

और मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर वर्मा के ऑफिस में--



उंगली का एक हल्का
सा झटका, और... और
दम बाहर !

और... और वह
दम...



उसी वक़्त- उस रहस्यमय 'ट्रोलर-केबिन' में--

उस स्टैण्ड में आग
किसने लगाई, यह तो मुझे
पता नहीं चला ...

... क्योंकि आग का आभास
मुझे थोड़ी देर बाद हुआ। वह
आग मैंने बुझा दी है।



पर अब ध्रुव
कहां जा रहा है, यह
मुझे पता है।

यह शख्स ध्रुव खतरनाक
होता जा रहा है ! इसकी मौत का
इंतजाम करना होगा।

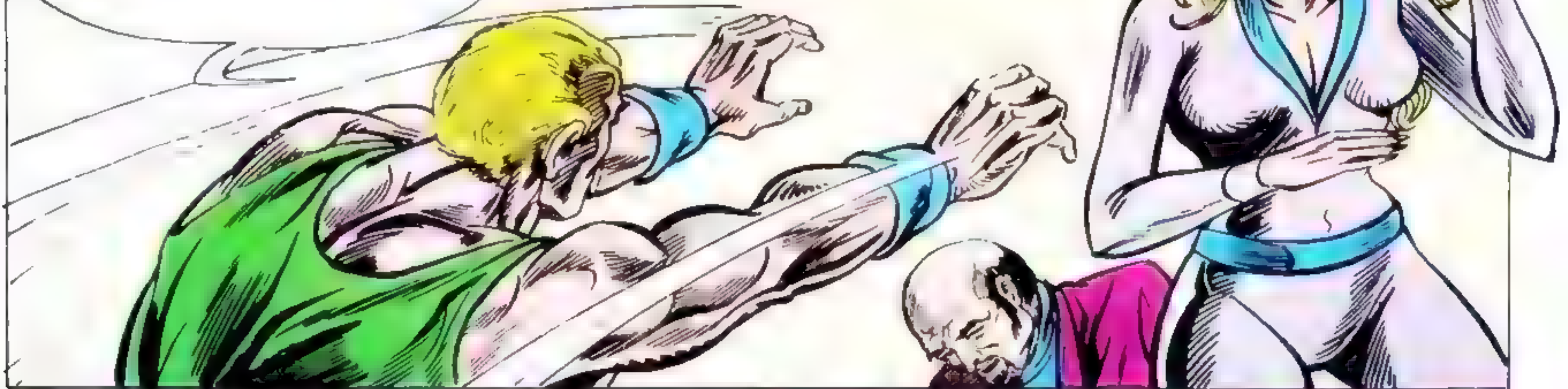
अब इसकी मौत वहीं
पर मिलेगी, जहां पर यह
जा रहा है।



ध्रुव जिससे टकराने जा रहा है,
उसको मैं ऐसी शक्तियां दे दूंगा, जो ध्रुव
की मौत का कारण बनेंगी।



गुरिल्ला! मुझे गुरिल्ला कहते हैं। मैं तुम्हें दोनों हाथों से चीर डालूंगा।



ईयाऊ

तू एक बार चुपचाप खड़ी होकर मेरा घुंसा खाले, फिर तुझे अपने-आप पता चल जाएगा कि मैं कौन हूँ।

आपका घुंसा बहुत बड़ा है, खाना नहीं जाएगा...०००

००० वैसे भी मेरा पेट भरा हुआ है!

कड़क

स्टलस, मैंने यंत्र को उठा लिया है! अब खामखवाह लड़ते रहने का कोई फायदा नहीं है...०००

००० भाग ले यहाँ से!

अमी लो! पर पहले इसको अपना पीछा करने से रोक ले दूँ।

चड़क

चंडिका को बचने में जो कुछ मिनटों का समय लगा...०००

००० उसी मेंलुई और स्टलस वहाँ से बच निकलने में कामयाब हो गए—

वह मानसिक यंत्र कहाँ है?

उसे मैंने छिपकी में रखे बोरे में डाल दिया है। उसने, उसे चुपचाप छिपाकर लाने को कहा था!

और- मरकरी सर्कस में—

सुपर कमांडो ध्रुव !
तुम यहां पर कैसे ? और
वह भी रात के इस वक्त ?

लोगों के दिमाग को
वश में करके कौन सा
षड्यंत्र रच रहे हो तुम ?

षड्यंत्र ? कैसा षड्यंत्र ?
मैं कुछ नहीं कर रहा ?

तुमसे पूछने आया
हूं, कि सर्कस में क्या
चक्कर चला रहा है तुमने ?

तुमको कुछ
गलत फहमी...

आर्र्र्र्घ!

वहां से कुछ ही दूरी पर— वह 'ट्रॉलर-केबिन' ठहाके से गूंज रहा
था—

हा हा हा ! मैंने घूरी का
दिमाग अपने वश में करके
उसको वे अदभुत मानसिक शक्तियां
दे दी हैं, जो ध्रुव की मौत का
कारण बनेंगी !

और दूसरी तरफ—

अरे ! घूरी, यह
तुमको क्या हो
रहा है ?

यूरी ?
हां... हां...
मेरा नाम
यूरी डोलर है।

मेरी चिन्ता छोड़कर, अपनी
चिन्ता कर, लड़के ! देख कि
तुम्हें क्या होने वाला है !

यूरी डोलर की अद्भुत मानसिक शक्तियां, एक दूसरे रहस्यमय
स्रोत से और शक्तियां मिलने के कारण विनाशकारी हो गई थीं।

और उन रहस्यमय शक्तियों के सामने पड़ने वाले
का एक ही हाल होना था —

तिनके की तरह उड़ जाना —

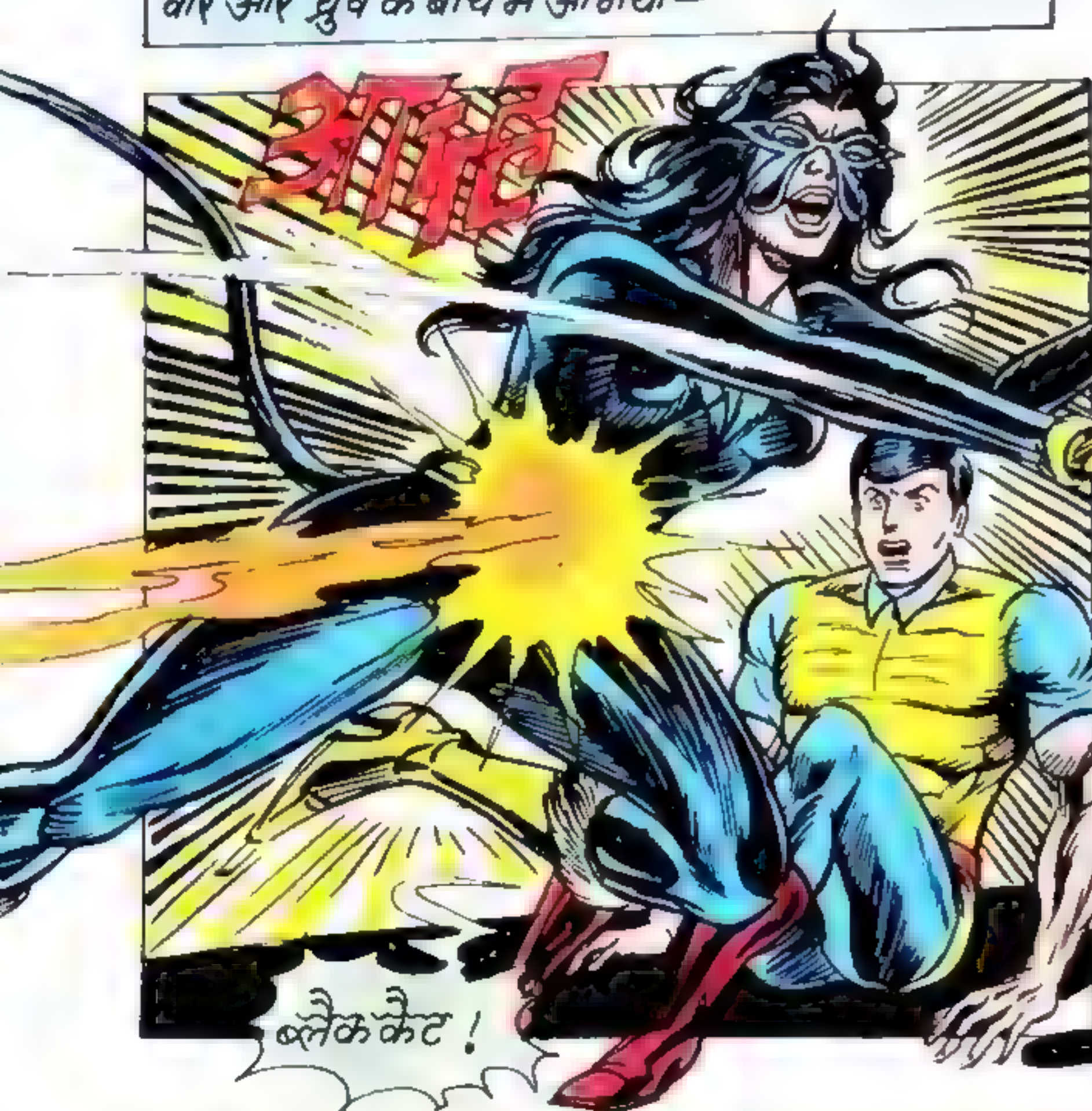
मानसिक धमाके का ज्यादा असर ध्रुव पर हुआ, क्योंकि वह बार, उसको ही निशाना बनाकर लगाया गया था—



ध्रुव! उठो, ध्रुव!
अपने आप को संभालो!

आह! सिर घूम रहा है...

अगले ही पल - ब्लैक कैट का बदन उछलकर मानसिक बार और ध्रुव के बीच में आ गया—



ब्लैक कैट!

मानसिक बार, ब्लैक कैट ने अपने शरीर पर केल लिया—



ओह! वह, ध्रुव पर दूसरा बार करने जा रहा है!

ध्रुव को रवींचकर हटाने का वक्त नहीं है। अब ध्रुव को बचाने का एक ही रास्ता है। सिर्फ एक ही रास्ता।

ओह! यह अचेत हो गई है। चूरी डोलर काफी खतरनाक होता जा रहा है। इसको रोकना होगा।

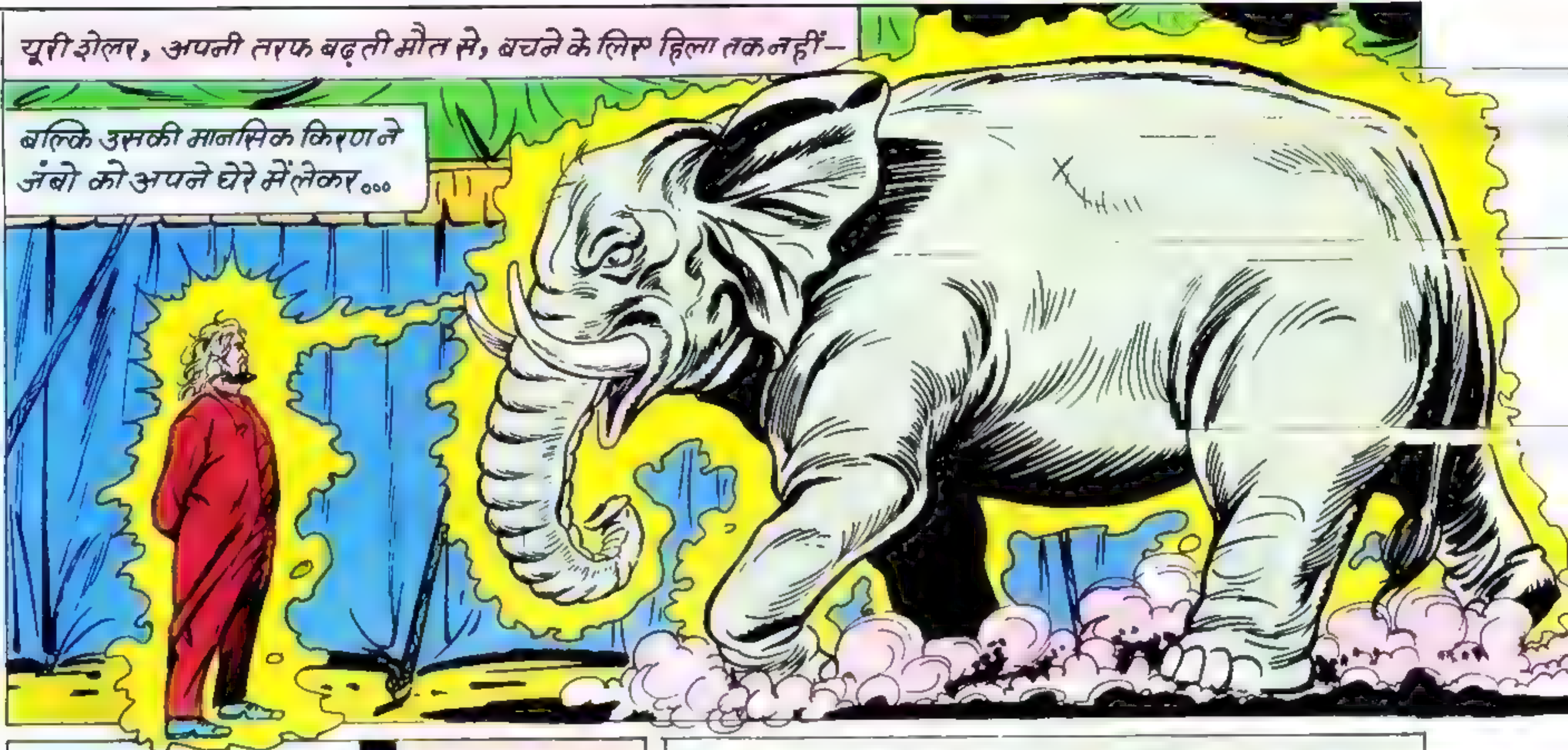
जंबो, अटैक!



धूल उड़ाता जंबो, चूरी को रोकने के लिए आगे बढ़ा—

यूरी डोलर, अपनी तरफ बढ़ती मौत से, बचने के लिए हिला तक नहीं—

बल्कि उसकी मानसिक किरण ने
जंबो को अपने घेरे में लेकर...



... जमीन पर पटक दिया—

बार जोरदार था—

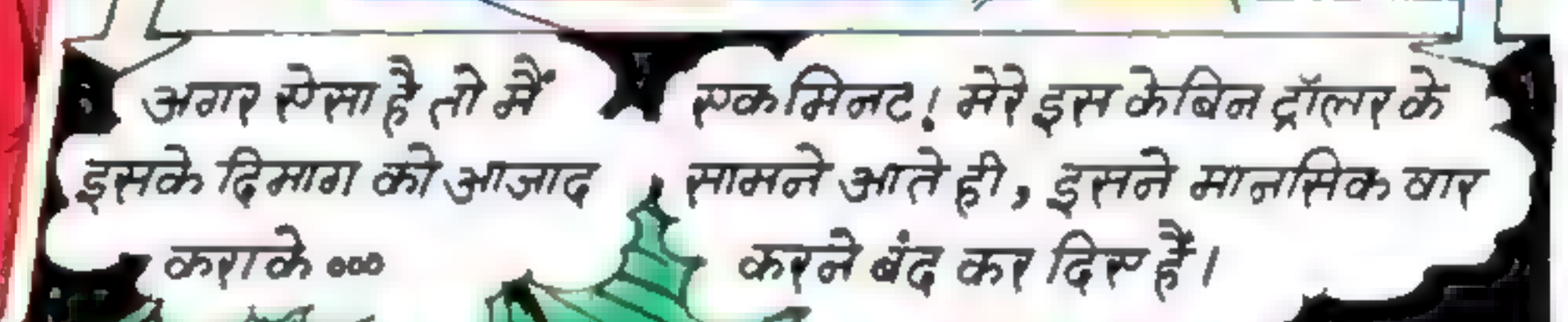
और अब यूरी डोलर एक बार फिर, ध्रुव की तरफ मुड़ गया—



जंबो गिरते ही बेहोश हो गया—

ओह! यह फिर से मुझ
पर बार कर रहा है। मुझे इसको
यहां से दूर ले जाना होगा।

वर्ना इसका कोई बार, बेहोश
ब्लैक कैट को भी लग सकता है।



यूरी डोलर के 'मानसिक वारों' को झकाता हुआ ध्रुव, ठिगू मास्टर के तंबू में घुसा—

और आश्चर्यचकित रह गया—

ध्रुव!

अरे! ये तो वही बूढ़ा है, जिसने मुझे मारने की कोशिश की थी।

ये तुम्हारे तंबू में कैसे, ठिगू?

ये... ये तो...

खैर, यह मैं बाद में पूछूंगा। अभी वक्त नहीं है। फिलहाल तो मुझको तुमसे एक जरूरी चीज चाहिए।

और कुछ ही पलों बाद—

अच्छा! तो अब तू मुझ पर हमला करेगा? आ... आ... आ जा!

हां, यूरी! मरना है तो क्यों न लड़कर मरा जाए।

ध्रुव ने अपना हाथ बढ़ाया—

और यूरी ने बिना कुछ सोचे-समझे, ध्रुव का बढ़ा हुआ हाथ पकड़ लिया—

यहीं पर यूरी वह गलती कर गया—

जो उसकी आखिरी गलती साबित हुई—

उसको एक तेज झटका लगा ! झटका— जिसने उसके दिमाग को हिलाकर रख दिया—

और उसका दिमाग आजाद हो गया—

ओह, ध्रुव ! हां, मैं पृथ्वी रहा था, कि तुम मेरे तंबू में क्या करने आए... अरे... मैं यहां कैसे आ गया ?

ठिंगू मास्टर का 'मिनी डॉकर' अपना काम बरबूबी कर गया !

मैं तुमको बाद में सब समझा दूंगा, ध्रुव ! फिलहाल तुम मेरे साथ आओ !

ध्रुव !

ठिंगू मास्टर ! और वही बूढ़ा ! ये बूढ़ा कौन है ठिंगू ?

... और लगभग मार ही डाला था ! ठिंगू ने मुझे बचाया ! पर मैं काफी महीनों तक जिन्दगी और मौत के बीच में झूलता रहा !

बल्कि लोगों ने तो यह समझ ही लिया था कि मैं अपने केबिन में दुर्घटनाग्रस्त आग लग जाने के कारण मर गया !

ठिंगू ने भी मेरे जिन्दा होने की बात धिपाकर रखी ! क्योंकि राज खुलने पर आयप्या मुझे दुबारा खतम करने की कोशिश कर सकता था !

ये सर्कस के मालिक हैं, रंगराजन साहब ! आयप्या इनका पार्टनर है !

उसने इनकी जलाकर मारने की कोशिश की थी !

मेरे ठीक होने तक काफी देर हो चुकी थी। लोगों ने और कानून ने भी मुझे मरा हुआ मान लिया था। मेरा चेहरा भी पहचाने जाने लायक नहीं रहा था।

इसीलिए मैंने बदले की भावना से, सर्कस को तबाह कर देने की ठानी। सर्कस का चप्पा-चप्पा मेरा देखा हुआ था।

ठिंगू के तंबू में छिपकर रहना, और चुपचाप अपना काम करते रहना, मेरे लिए बहुत आसान था।

हां, सर्कस के जानवर मुझे आज तक पहचानते हैं। जैसे जंबो!



पर आपने मुझे मारने की कोशिश क्यों की?

क्योंकि तुम सर्कस का फायदा करवा रहे थे। और वह फायदा सीधे आयप्पा की जेब में जा रहा था। इसीलिए मैंने तुमको भी रास्ते से हटाने की ठान ली थी।

एक बात बताइस! आयप्पा के पास मानसिक शक्तियां भी हैं क्या?

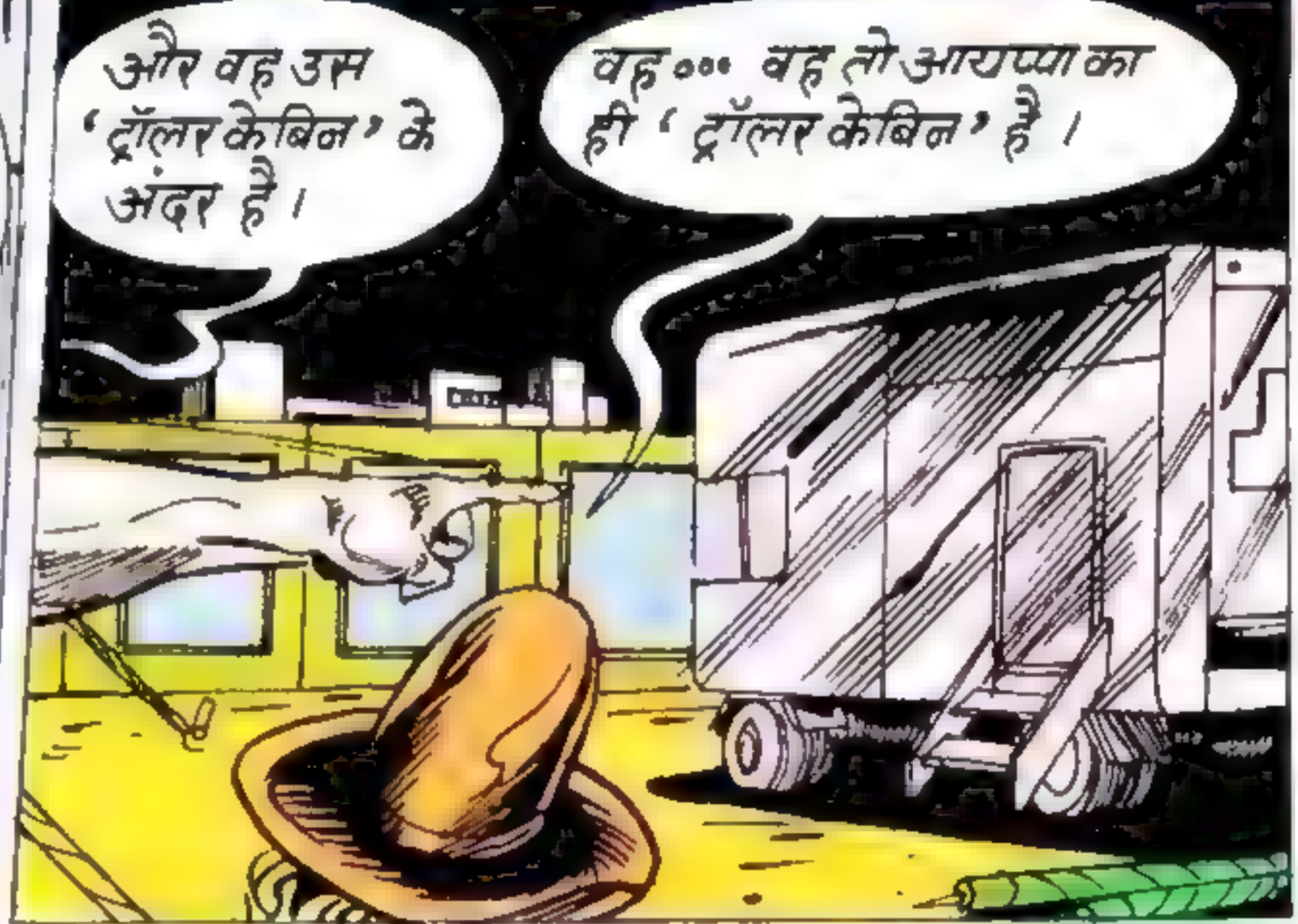


आयप्पा के पास अपना दिमाग तक तो है नहीं! उसके पास मानसिक शक्तियां कहां से आएंगी!

तो फिर आपका दुश्मन आयप्पा नहीं, कोई और है।

और वह उस 'ट्रॉलर केबिन' के अंदर है।

वह... वह तो आयप्पा का ही 'ट्रॉलर केबिन' है।



और ट्रॉलर केबिन के अंदर—

अब धुव भी खत्म होने वाला है। और लुई और स्टलस मेरी चीज लेकर भी आने वाले हैं। अब मेरी योजना पूरी होने के आखिरी चरण में है।



और वह तुम्हारी योजना सिर्फ
योजना ही रहेगी ०००

और फिर सभी की आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं—

... धुव!

पहले आयप्पा आश्चर्यचकित हुआ—

ओ माई
गॉड!

यह
क्या है?

स्टार
फिश!

हां, स्टार फिडा, रंगराजन! वही जिसको तुम्हारे एक दोस्त ने ग्रीनलैंड के पास, एक हिमखंड के अंदर लगभग मृतरूप में पाया था। और तुमको उपहार के रूप में लाकर दिया था। तब मैं छोटा सा था आकार में।

तुमने मुझे बचाया। पाला-पोसा। और उसी दौरान मैं तुमसे और सर्कस में आने वाले अनगिनत लोगों के दिमाग पढ़-पढ़कर ज्ञान बटोरता रहा।

मेरी मानसिक शक्तियां बढ़ती रहीं और मेरा ज्ञान भी बढ़ता रहा।

तुम्हारा दोस्त यह नहीं जानता था कि हम स्टार फिडों में एक अद्भुत शक्ति होती है। मानसिक तरंगों की शक्ति!

लेकिन मेरा मानवों को मारने का कोई इरादा नहीं है। आखिरकार हम लोगों को भी तो काम करने के लिए कर्मचारी चाहिए!

और वे कर्मचारी बनेंगे मानव! मैंने अपना अभियान, मानवों के मस्तिष्कों पर कब्जा जमाकर शुरू किया!

उसी ज्ञान से मुझे पता चला कि तुम मानवजाति के पशु, धरती को चूस-चूस कर कंगाल कर रहे हो। हवा, पानी में गंदगी घोल रहे हो!

तब मैंने यह निश्चय किया कि मुझे और मेरे जैसे अन्य समुद्री जीवों को पृथ्वी की बागडोर संभाल लेनी चाहिए।

और सबसे पहले मैंने जिस दिमाग पर कब्जा जमाना चाहा, वह तुम्हारा दिमाग था रंगराजन! पर तुम्हारी इच्छा-शक्ति ने मुझे असफल कर दिया।

तब मैंने आयुष्य के दिमाग पर कब्जा जमा कर, तुमको रास्ते से हटा दिया। पर तुम बच गए!



लेकिन ध्रुव और रंगराजन की यह
खुशी, सिर्फ एक पल के लिए ही
कायम रहवाई—

क्योंकि अगले ही
पल—

और—

मैं स्टार-फिडा हूँ, मूरवो ! और मेरा ज्ञान
इतना असीमित है, कि मैंने हवा में
सांस लेने की कला भी सीख ली है !

और मेरी
सांसें चलने के
लिए, तुम लोगों
की सांसों का बन्द
होना जरूरी है !

एक 'मेटल-ब्लास्ट' ने पूरे टॉलर केबिन
के परवचचे उड़ा कर रख दिए—

अभी लुई और स्टलस वह 'मानसिक यंत्र'
लेकर आते ही होंगे, जिसकी पाने के बाद, पूरी दुनिया
की ताकतें मिलकर भी मुझे रोक नहीं पाएंगी !
अब शुरू होता है, स्टार फिडा का विजय
अभियान !

इसी वक्त- सर्कस के मुख्य द्वार पर-

हैं! कहां गया मैंने तो वह 'मानसिक यंत्र' उसे डिक्की में वाला बोरा! ही रखा था!

साफ करना, भाई लोगो! दरअसल मैंने आपको बिना बताए, आपकी गाड़ी की डिक्की में लिफ्ट लेली थी!

पर रास्ते का बिल्कुल पता नहीं चला!

चंडिका!

वह मेरे पास है!

ये जो आप मानसिक यंत्र उठाकर लाए थे, इसके अन्दर, इसकी 'बुकलेट' भी रखी हुई है। उसमें इसको इस्तेमाल करने का तरीका भी लिखा हुआ है। वही पढ़ते पढ़ते रास्ता कट गया!

जानते हो ये कैसे चलता है?

देखो, ऐसे!

ताड़ धाड़!

अब जरा सर्कस के अन्दर चलकर ध्रुव भड़या के हाल-चाल पता किए जाएं।

ध्रुव, 'स्टार फिडा' के वारों से बचता फिर रहा था-

धूरी, तुम्हारे पास भी तो मानसिक शक्तियां हैं। तुम 'स्टार फिडा' को रोकने के लिए कुछ करो!

स्टार फिडा के सामने मेरी शक्तियां बचकानी हैं, ध्रुव!



आह! मुझे बचाओ! यह तो मेरी हड्डियां तोड़ रहा है!

ओफफ! क्या हम रंगराजन को बचाने के लिए कुछ नहीं कर सकते!



ध्रुव! क्या हो रहा है यहां पर?

चंडिका! तुम यहां पर कैसे? और तुम्हारे पास यह 'मानसिक यंत्र'? कमाल का संयोग है! अभी हमको इसी की सख्त आवश्यकता थी।

लाओ, इसे मुझको दो!

ध्रुव ने धूरी डोलर को संक्षेप में 'मानसिक यंत्र' की कार्यशैली समझा दी—

'स्टार फिडा' तड़पकर रंगराजन को धोड़ने के लिए मजबूर हो गई—



इसको पहनकर 'स्टार-फिडा' पर वार करो! अब रंगराजन और हम लोगों को सिर्फ तुम ही बचा सकते हो, धूरी!

क्योंकि तुम्हारे पास पहले से ही मानसिक शक्तियां मौजूद हैं।

मैं कोशिश करता हूं, ध्रुव!

और उसने अपना ध्यान धूरी डोलर की तरफ लगा दिया—



यह तो वही 'मानसिक यंत्र' लगता है, जो मुझे चाहिए था! इसे मुझे दे दे, धूरी!

वर्ना मैं इसे तेरी लाश पर से उतार लूंगा!

अचानक-

ओह! ध्रुव, इसकी मानसिक
शक्तियाँ बहुत तेज हैं। मेरे मस्तिष्क
के साथ-साथ इस मानसिक यंत्र पर भी
जोर पड़ रहा है!

मैं तुम्हारी क्या
मदद कर सकता... वाह!
यह कार्बन डाइ आक्साइड
वाले फायर-एक्सटिंग्शिशर!

यह कुछ काम कर सकता है!
क्योंकि इससे ठोस कार्बन डाइ
आक्साइड के कण निकलते
हैं, जिनको अत्यधिक ठंडा
होने के कारण 'सूखी बर्फ'
भी कहा जाता है।

यह ज्यादा देर तक
सही-सलामत नहीं रह पाएगा!

और 'स्टार-फिश' पहले भी हिमखंड में
कैद होकर अधमरी सी हो चुकी है। यह
बर्फ की ठंडक नहीं सह पाती है।

इसका केन्द्र ही इसकी
सबसे कमजोर जगह लग
रही है। यहीं पर वार करना
ठीक रहेगा।

चूरी से 'मानसिक यंत्र' लेने में जुटी,
स्टार फिश, ध्रुव पर ध्यान नहीं दे रही
थी—

और जब तक वह ध्यान दे पाती, तब
तक बहुत देर हो चुकी थी—

आर्रर्रईईई! ये ठंड! मुझे
सुईयाँ सी चुभ रही हैं। मेरा दिमाग
सुन्न हो रहा है। आsss!

फिश

००० बेहोड़ा हो रही...
आह !

एक तेज आवाज के साथ, स्टारफिडा का बेहोड़ा शरीर, धम्म से नीचे आ गिरा—



और उसके बेहोड़ा होते ही, उसके मानसिक
बंधनों में कैद, सभी लोग आजाद हो गए—

और सारी बातें समझने
के बाद—

मैं तुम्हारा भी अपराधी हूँ, रंगराजन,
और राजनगर के निवासियों का भी।
इसीलिए मैं तुम्हारे सामने यह घोषणा
करता हूँ, कि आज से एक हफ्ते तक राज-
नगरवासियों को एकदम मुफ्त में सर्कस
दिखाया जाएगा।

म००० मैं कहां हूँ? यह
सब क्या हो रहा
है?

घबराइए नहीं,
आयुष्या साहब! हम
आपको सब समझा
देंगे!

और हर रात को
एक डोढ़ेगा सुपर
कमांडो ध्रुव।

क्यों ध्रुव,
राजी हो न?

किसी भी अच्छे
काम के लिए मैं हमेशा
राजी हूँ।

पर पहले स्टारफिडा को कैद में रखने के लिए
बर्फ की मिल्लियों से भरा ट्रक तो मंगानो। बाद में
इसको परमानेंट कैद में रखने का रास्ता ढूँढ़ेंगे।

यकीन कर ले, नागराज!
ये सभी मर चुके हैं।

और इनको
मारने वाली है हमारी
शैतान टोली की सम्मिलित
शक्ति! हर हीरो को उसी के
खास दुश्मन ने अन्य विलेनों
की मदद से नेस्तनाबूद
किया है। ...

जैसे बाकी
विलेनों की मदद से मैं
करूंगा तेरा...

विध्वंस

पृष्ठ संख्या
128
मूल्य 40/-

सुपर हीरोज के खून और नागराज के बदले
के रंग में डूबा एक मल्टीस्टार सुपर विशेषांक



परकाले

राज कॉमिक्स में नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव का एक टू इन वन सुपर विशेषांक

पृष्ठ संख्या:
128
मूल्य: 40/-

राज कॉमिक्स की
एक धमाकेदार
प्रस्तुति